www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शनिवार
26 सितम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 140 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

अगले बरस तू जल्दी आ...के नारों के साथ विदा हुए बप्पा

बप्पा को विदा करते वक्त भावविभोर हुए भक्त, नम हुई आंखें

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार को गणेश उत्सव का आखिरी दिन रहा। देशभर में गणेश प्रतिमाओं का नदियों, तालाबों, झीलों और कृत्रिम कुंडों में विसर्जन किया गया। मुंबई में 25 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात रहे। विसर्जन के लिए 383 कृत्रिम कुंड भी बनाए गए थे। हैदराबाद में भी 25-30 हजार पुलिसकर्मी सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था संभालते दिखाई दिए। निगरानी के लिए 24 ड्रोन और 10 हजार सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। हुसैन सागर के आसपास 100 अतिरिक्त कैमरे, जबकि झील किनारे क्रेन, इमरजेंसी बोट, गोताखोर और मेडिकल पोस्ट तैनात किए गए थे। जुलूसों के दौरान ट्रैफिक डायवर्जन और कई पाबंदियां लागू रहीं। जानकारी के अनुसार, इस साल अब तक 12 दिनों तक चलने वाले त्योहार के दौरान डेढ़ दिन, पांच दिन, छह दिन और सात दिन की अवधि में 1,63,386 गणपति मूर्तियों का विसर्जन किया गया है। छत्रपति संभाजीनगर में शुक्रवार को अनंत चतुर्दशी के मौके पर 1.65 लाख से ज्यादा घरों में स्थापित गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। प्रशासन ने भीड़ और ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए 2,500 से ज्यादा जवानों को तैनात किया था।

हैदराबाद में 39 लाख में बिका एक गणेश लड्डू

गणेश चतुर्थी के मौके पर हैदराबाद में शुक्रवार को भव्य जुलूसों और गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ उत्सव अपने चरम पर पहुंच गया। इसी बीच शहर में गणेश लड्डू प्रसाद की पारंपरिक नीलामी भी चर्चा में रही। इस साल बालापुर गणेश का लड्डू 39 लाख रुपये में नीलाम हुआ। बालापुर गणेश की लड्डू नीलामी हैदराबाद में गणेश उत्सव की सबसे चर्चित परंपराओं में से एक है। इस साल समा प्रणीत रेड्डी ने 39 लाख रुपये की बोली लगाकर लड्डू अपने नाम किया। यह रकम पिछले साल के मुकाबले 4 लाख रुपये अधिक है। यह नीलामी 25 सितंबर को सुबह साढ़े 9 बजे आखिरी पूजा और गांव में जुलूस के बाद आयोजित की गई। नीलामी में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। बालापुर गणेश लड्डू की नीलामी का इतिहास करीब तीन दशक पुराना है। यह परंपरा 1994 में शुरू हुई थी, जब किसान कोलन मोहन रेड्डी ने गणेश लड्डू को 450 रुपये में खरीदा था। इसके बाद हर साल लड्डू की बोली बढ़ती गई।

भारत का चीनी संकट और ज्यादा गहराया

- दुनिया के दूसरे सबसे बड़े प्रोड्यूसर के लिए इंपोर्ट की आई नौबत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा शुगर प्रोड्यूसर है। करीब एक दशक तक वह सरप्लस की स्थिति में रहा है। लेकिन, देखते ही देखते अचानक हालात बदल गए हैं। भारत में चीनी संकट गहराता दिख रहा है। इंडस्ट्री के अधिकारियों का कहना है कि भारत को लगातार दूसरे साल चीनी इंपोर्ट करनी पड़ सकती है। गन्ना उगाने वाले मुख्य राज्यों में पानी की भारी कमी से चीनी की रिकवरी घटने और प्रोडक्शन में कमी और बढ़ने का खतरा है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश है। यह लगभग एक दशक तक चीनी के मामले में सरप्लस यानी जरूरत से ज्यादा उत्पादन वाला रहा था।

संक्षिप्त समाचार

बिहार सीएम ने पीड़ित परिवार की फोटो शेयर की, फिर डिलीट

तेजस्वी बोले-सीएम पॉक्सो एक्ट की धज्जियां उड़ा रहे,एफआईआर हो

पटना (एजेंसी)। बिहार के जमुई में सड़क पर बदसलूकी की पीड़ित के परिवार के फोटो शेयर करने पर विवाद हो गया है। पीड़ित परिवार गुरुवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मिला था। सम्राट चौधरी ने इस मुलाकात की तस्वीर एक्स हैंडल से बिना ब्लर किए शेयर कर दी। 15 मिनट बाद इसे डिलिट कर दिया गया। अब तेजस्वी यादव ने कार्रवाई की मांग कर दी है। राजद सांसद मीसा भारती ने भी इस पोस्ट पर

सवाल उठाए और एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। पीड़ित बच्ची की मां ने सीएम से मिलने के बाद कहा, हमें बेटी के साथ हुई घटना का दर्द अब भी है, लेकिन कार्रवाई होने और सरकार से सुरक्षा को लेकर मिले आश्वासन से राहत मिली है। पीड़ित की मां ने बताया, 24 सितंबर की शाम हम पटना आए। यहां हमने बेटी के साथ हुए घटना को लेकर सीएम सम्राट चौधरी से मुलाकात की।

बृजभूषण सिंह के खिलाफ फिर कोर्ट पहुंचीं 4 महिला रेसलर

यौन उत्पीड़न केस में बरी करने के फैसले को चुनौती,दलील-आदेश पुरानी सोच वाला

पानीपत (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में बरी किए जाने के खिलाफ 4 महिला पहलवानों ने फिर कोर्ट का रुख किया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, महिला पहलवानों ने राउज एवेन्यू कोर्ट में अपील दायर कर एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के 3 अगस्त 2026 के फैसले को चुनौती दी है। निचली अदालत ने बृजभूषण

शरण सिंह और कुश्ती संघ के तत्कालीन सहायक सचिव विनोद तोमर को सभी आरोपों से बरी कर दिया था। महिला पहलवानों ने अपनी याचिका में इस फैसले को पुरानी सोच वाला बताया है। उनका कहना है कि फैसले में यौन उत्पीड़न की पीड़िताओं के व्यवहार को लेकर बनी-बनाई धारणाओं को आधार बनाया गया है। याचिका में तर्क दिया गया है कि फैसले में यह अपेक्षा की गई कि घटना के बाद किस तरह व्यवहार करना चाहिए।

देश में अब आ रही हैं 100 फीसदी इथेनॉल वाली गाड़ियां: गड़करी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा-ई-20 पेट्रोल से बढ़े हैं गाड़ियों में माइलेज

बसों पर नितिन गडकरी ने कहा-नोट लेकर आरटीओ अफसर ठपठपा देते हैं

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी अपनी बात बेबाकी से रखते हैं। भोपाल में सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत के दौरान उन्होंने ई-20 पेट्रोल को लेकर अपनी बात रखी है। साथ ही बसों की रजिस्ट्रेशन को लेकर आरटीओ पर तंज कसा है।

साथ ही नितिन गडकरी ने प्राइवेट गाड़ियों को टैक्सी में चलाने के लिए नियम बनाने की मांग की है। दरअसल, बीते कुछ दिनों से ई-20 पेट्रोल को लेकर देश में बहस छिड़ी हुई है। इसे लेकर लोगों के बीच में ई-20 पेट्रोल पर नितिन गडकरी ने बात की है। उन्होंने कहा कि ई-20 का मतलब है कि हम पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाते हैं, यह किसान तैयार करता है। यह 19 देशों में है। अमेरिका, जर्मनी और जापान जैसे देश इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत में 2022 से 4 करोड़ फोर व्हीलर में ई-20 पेट्रोल डाला जाता है।

गांधी जी लेकर ठप्पा मार देते हैं

उन्होंने कहा कि आरटीओ के अफसर इस बात का ध्यान रखें। मुझे मालूम नहीं लेकिन बहुस से आरटीओ के ऑफीसर गांधीवादी हैं। गांधी की नोट दिखती है तो ठपा ठप ठपठपा देते हैं। इसके बाद सभी लोग हंसते हैं। वह याद दिलाते हैं कि गलत बस को सैंक्शन किया तो सबकी नौकरी जाएगी।

हाइड्रोजन बस और ट्रक चलाने का प्लान

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि मैं इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर का भी इस्तेमाल कर रहा हूं। मेरे यहां इसी से खेती हो रही है। मैं हाइड्रोजन की गाड़ी से घूमता हूं। पानी से हाइड्रोजन तैयार होता है। हिंदुस्तान में 10 रूट पर अब हाइड्रोजन से चलने वालीं बसें और ट्रक शुरू करने जा रहे हैं। अगले महीने में हर कंपनियों की 100 फीसदी इथेनॉल वाली गाड़ियां आ रही हैं। नितिन गडकरी ने कहा कि अभी बसों में बहुत सुधार की जरूरत हैं। कंपनियों को सुधार करने की जरूरत है। मैं कॉन्ट्रैक्टर की तरह इन्हें भी रगडूंगा। उन्होंने कहा कि बसों में सुरक्षित सफर के लिए स्टैंडर्ड निर्माण जरूरी है। साथ ही कहा कि एमपी में 25000 बसों की जरूरत है। हम बसों को लेकर नई नीति लेकर आएं हैं। इसके साथ घटिया बॉडी निर्माण को लेकर उन्होंने बॉडी निर्माताओं और आरटीओ पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बस हादसों का जिक्र किया है। 2024 में बसों में 3000 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। न्यू कोड के अनुसार टेस्टिंग एजेंसी से अप्रूवल के बाद ही बसों का रजिस्ट्रेशन होगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कांग्रेस ने किया देशभर में प्रदर्शन

दिल्ली-पटना में मार्च, देहरादून में कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़े

कॉकरोच पार्टी का बड़ा ऐलान- 2 अक्टूबर से आंदोलन करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देशभर में प्रदर्शन कर रही है। उत्तराखंड के देहरादून में कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। पटना में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। कांग्रेस का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार चुनाव आयोग में मनमानी कर रहे हैं और दो अन्य आयुक्तों की बात नहीं सुन रहे हैं। पार्टी का ये आरोप इंडियन एक्सप्रेस में छपी उस खबर के बाद आया है जिसमें कहा गया है कि पिछले 10 महीनों में 14 बार

दोनों चुनाव आयुक्तों ने आयोग के फैसलों पर आपत्ति जताई है। इधर, कॉकरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार को कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो 2 अक्टूबर से देशव्यापी आंदोलन करेंगे। सीजेपी ने गुरुवार को ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे की डेडलाइन दी थी। एसआईआर को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में सीईसी के फैसलों, दिशानिर्देशों और सॉफ्टवेयर बदलावों को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई है।

'स्टेटहुड' पर जम्मू कश्मीर विधानसभा में बवाल

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को भारी हंगामा देखने को मिला। बीजेपी के विधायक विक्रम रंधावा को बलपूर्वक सदन से बाहर कर दिया गया। विक्रम रंधावा बीजेपी के बहू विधानसभा सीट सेविधायक हैं। विक्रम रंधावा को जम्मू-कश्मीर विधानसभा सत्र के दौरान राज्य के दर्जे से जुड़े विवाद और विरोध प्रदर्शन के चलते उन्हें सदन से बाहर भी किया गया था। विक्रम रंधावा अपने बयानों और आक्रामक रुख के कारण चर्चित हैं।

पाकिस्तान की नींद उड़ा रहे हैं यूपी में बने ब्रह्मोस

- नोएडा में गरजे अमित शाह, की सीएम योगी की जमकर तारीफ

रक्षा उत्पादों के लिए यूपी में इनवेस्टमेंट आ रहा

लखनऊ (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि, आज यूपी में बने ब्रह्मोस पाकिस्तान की नींद उड़ा देते हैं। यह बदलाव का सबसे बड़ा लक्षण है। उन्होंने कहा कि आज 80 देशों में भारत के रक्षा उत्पादों का निर्यात हो रहा है। इसमें उत्तर प्रदेश का बहुत बड़ा योगदान है। यहां पर डिफेंस कॉरिडोर बनाने तक नहीं, योगी सरकार ने इसको फैसिलिटेट करने के लिए, इन्फ्रास्ट्रक्चर से जोड़ने के लिए अनुकूल नीतियां बनाने के लिए ढेर सारा काम किया है। केंद्रीय गृह मंत्री उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो -2026 समारोह को संबोधित कर रहे थे।

गृह मंत्री शाह ने कहा कि, मैं और योगी जी अभी आ रहे थे। रास्ते में हमने स्टाल देखे झांसी, चित्रकूट, आगरा, अलीगढ़, कानपुर, छह डिफेंस कॉरिडोर के नोड्स, सभी जगह डिफेंस के मैन्युफेक्चरिंग के लिए इनवेस्टमेंट आ रहा है। इसके कारण न केवल उत्तर प्रदेश देश भर के डिफेंस के उत्पाद का विकास हुआ है। आज हमारा रक्षा उत्पादन एक लाख 78 हजार करोड़ को पार कर गया है। 2013-14 की तुलना में रक्षा उत्पादों के निर्यात में हमने 56 गुनी वृद्धि की है। अमित शाह ने कहा कि, आज 80 देशों में भारत के रक्षा उत्पादों का न निर्यात हो रहा है। इसमें उत्तर प्रदेश का बहुत बड़ा योगदान है।

अमेठी में बनी राइफल आतंकियों की नींद उड़ा रही

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि आज यूपी में बन ब्रह्मोस (मिसाइल) पाकिस्तान की नींद उड़ा देते हैं। यह बदलाव का सबसे बड़ा लक्षण है। अमेठी में बनी एके 203 एसॉल्ट राइफल आज नक्सवादियों और टेरेरिस्टों की नींद उड़ा चुकी है। अमित शाह ने कहा कि, एक जमाना था जब यहां सपा-बसपा का शासन था। यहां पर अपराध की इंडस्ट्री चल रही थी। कट्टा और अवैध तमंचों की इंडस्ट्री लगती थी। शहर-शहर में वाहन चुराने का कुटीर उद्योग था।

समाज के लिए काम करें, वोटबैंक की राजनीति के लिए नहीं

पीएम मोदी ने वाराणसी से वडनगर जा रहे बाइकर्स से बात की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शुक्रवार को वाराणसी से वडनगर जा रहे सेवा यात्रियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की। उन्होंने कहा कि हम गांधी जी के जीवन की ओर देखते हैं, तो वे अंग्रेजों के खिलाफ

लड़ाई लड़ने और आजादी का आंदोलन चलाने के साथ-साथ एक बड़े सामाजिक सुधारक भी थे। समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ उन्होंने हमेशा काम किया। इसलिए हमें भी समाज में निरंतर सुधार और सकारात्मक परिवर्तन के लिए काम करते रहना चाहिए, केवल वोटबैंक की राजनीति के लिए नहीं। दरअसल, दो बाइक रैलियों को 17 सितंबर को पीएम मोदी के 76वें जन्मदिन पर रवाना किया गया था। एक रैली उनके जन्मस्थान वडनगर से वाराणसी और दूसरी वाराणसी से वडनगर के लिए निकली है। दोनों यात्राएं 7 अक्टूबर को पूरी होंगी। ये रैलियां मोदी के 25 साल के सार्वजनिक जीवन को चिह्नित करने के लिए निकाली जा रही हैं। बीते 12 साल में भारत में शहरों और गांवों के बीच जो गैप था, वह काफी कम हुआ है।आज गांवों में इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर हुआ है। हमारी बहनों और बेटियों में आत्मनिर्भरता बढ़ी है।

पंजाब चुनाव से पहले लुधियाना में बागेश्वर बाबा की होगी कथा

हनुमंत कथा में 70 हजार श्रद्धालुओं के जुटने की है उम्मीद

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं और इसी बीच लुधियाना में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की पहली हनुमंत कथा होने जा रही है। कल 26 से 30 सितंबर तक होने वाले इस बड़े धार्मिक आयोजन में करीब 70 हजार लोगों के पहुंचने की व्यवस्था की गई है। चुनाव से पहले इतने बड़े स्तर पर होने वाले इस आयोजन को लेकर राजनीतिक हलकों की भी नजर रहेगी, हालांकि आयोजकों ने इसे धार्मिक कार्यक्रम बताया है। इस कथा का आयोजन चंडीगढ़ रोड स्थित वर्धमान मिल्स के सामने जीएडी ग्राउंड में होगा। आयोजन मंगलम वेलफेयर एंड चैरिटेबल सोसायटी की ओर से कराया जा रहा है।

चुनाव से पहले आयोजन पर राजनीतिक नजर

यह आयोजन ऐसे समय हो रहा है जब पंजाब में अगला विधानसभा चुनाव 2027 में होना है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार पंजाब विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 16 मार्च 2027 को पूरा होना है। इस वजह से इतने बड़े धार्मिक आयोजन को लेकर राजनीतिक हलकों में भी चर्चा होना स्वाभाविक है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह कार्यक्रम एक धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन के रूप में आयोजकों की ओर से प्रस्तुत किया गया है, किसी राजनीतिक दल का कार्यक्रम नहीं बताया गया है। बता दें कि पंजाब में चुनावी गतिविधियां पहले से तेज हो रही हैं। हाल के दिनों में राजनीतिक दलों के कार्यक्रमों और जनसंपर्क गतिविधियों में भी तेजी देखी गई है। गणपति विसर्जन का दिन भक्तों के लिए भावनाओं से भरा होता है। कई दिनों तक घरों और पंडालों में विराजमान रहने के बाद भगवान गणेश को श्रद्धा और भक्ति के साथ विदाई दी जाती है।

2500 महिलाओं की कलश यात्रा भी निकाली जाएगी

आयोजकों के मुताबिक, कथा के लिए करीब एक लाख वर्ग फीट में पंडाल तैयार किया जा रहा है और लगभग 70 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। आयोजन से पहले करीब 2500 महिलाओं की कलश यात्रा भी निकाली जाएगी। धीरेंद्र शास्त्री शुक्रवार शाम हलवारा एयरपोर्ट पहुंचेंगे और कैलाश नगर में ठहरेंगे।

संपादकीय

सुरक्षा से समझौता नहीं

किसी भी सभ्य समाज की पहचान वहां महिलाओं और बेटियों को मिलने वाले सम्मान और सुरक्षा से होती है। दुर्भाग्य से आज भी देश के विभिन्न हिस्सों में लड़कियों से छेड़छाड़, अभद्र टिप्पणी, पीछा करने और उत्पीड़न की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। यह केवल कानून–व्यवस्था का विषय नहीं है, बल्कि समाज की सोच और संस्कारों से जुड़ा एक गंभीर प्रश्न भी है।छेड़छाड़ की घटनाएं अक्सर स्कूल, कॉलेज, बाजार, सार्वजनिक परिवहन और सोशल मीडिया जैसे मंचों पर देखने को मिलती हैं। कई बार पीड़ित लड़कियां सामाजिक दबाव, बदनामी के डर या परिवार की चिंता के कारण शिकायत दर्ज नहीं करातीं। इसका लाभ अपराधी मानसिकता वाले लोग उठाते हैं और उनका मनोबल बढ़ता है। ऐसे मामलों का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव यह होता है कि लड़कियों के भीतर भय और असुरक्षा की भावना पैदा होती है, जिससे उनकी शिक्षा, करियर और सामाजिक जीवन प्रभावित होता है। समस्या की जड़ केवल अपराधियों तक सीमित नहीं है। महिलाओं के प्रति असम्मानजनक सोच, अश्लील टिप्पणियों को सामान्य मान लेने की प्रवृत्ति, परिवारों में नैतिक शिक्षा की कमी और सामाजिक उदासीनता भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। जब समाज छोटी–छोटी अभद्र हरकतों को नजरअंदाज करता है, तब वही प्रवृत्ति आगे चलकर बड़े अपराधों का रूप ले सकती है। पुलिस को शिकायतों के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाना होगा ताकि पीड़ितिएं बिना डर अपनी बात रख सकें। स्कूलों और कॉलेजों में लैंगिक संवेदनशीलता, सम्मानजनक व्यवहार और नैतिक मूल्यों पर नियमित जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। साथ ही परिवारों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। बच्चों को बचपन से ही महिलाओं के सम्मान, समानता और जिम्मेदार नागरिकता का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए। अभिभावकों को यह समझना होगा कि केवल बेटियों को सावधान रहने की सलाह देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि बेटों को भी सही संस्कार देना उतना ही आवश्यक है। तकनीक के इस दौर में साइबर छेड़छाड़ और ऑनलाइन उत्पीड़न भी तेजी से बढ़ रहा है। इसलिए डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और साइबर अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने की जरूरत है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को भी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए आपत्तिजनक सामग्री और उत्पीड़न संबंधी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। लड़कियों से छेड़छाड़ की घटनाएं केवल किसी एक व्यक्ति या परिवार की समस्या नही हैं, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी हैं। जब तक समाज महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा को अपनी सामूहिक जिम्मेदारी नहीं मानेगा, तब तक केवल कानून के भरोसे इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि हम ऐसी सामाजिक व्यवस्था का निर्माण करें, जहां हर लड़की बिना भय के शिक्षा प्राप्त कर सके, अपने सपनों को पूरा कर सके और सम्मान के साथ जीवन जी सके। यही एक प्रगतिशील और संवेदनशील समाज की पहचान होगी।

लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए गंभीर चिंता का विषय

सौरभ वार्ष्णेय

चुनाव आयोग के फैसलों पर 14 बार लिखित आपत्ति की अनदेखी का मतलब है कि केंद्रीय चुनाव आयोग में सब कुछ सही नहीं चल रहा है। लोकतंत्र केवल चुनाव कराने की प्रक्रिया का नाम नहीं है। लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इस बात से तय होती है कि चुनाव कितने पारदर्शी, निष्पक्ष और विश्वसनीय तरीके से कराए जाते हैं। ऐसे में चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था के भीतर उठने वाली किसी भी असहमति को महज प्रशासनिक प्रक्रिया मानकर नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। मतदाता सूची से जुड़े फैसलों पर चुनाव आयोग के दो आयुक्तों की ओर से बार-बार यानी 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज किए जाने की खबर ने इसी कारण गंभीर सवाल खड़े किए हैं। राजनीतिज्ञों को भी सोचने को मजबूर कर दिया है कि इसका हल कैसे निकाले ? वहीं ऐसी बातों से मतदाताओं के बीच भी लोकतंत्र की इस संवैधानिक संस्था के प्रति सोचना पड़ता है। यह ऐसे संस्था है कि जहां कुछ भी हो तुरंत प्रभावी कार्य हो जिससे पारदर्शिता सबके सामने आये।

देश के प्रतिष्ठित अखबार में प्रकाशित एक रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद देश में राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले करीब दस महीनों में आयोग के विभिन्न फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज कराईं। बताया गया है कि इन आपत्तियों का संबंध केवल तकनीकी या प्रक्रियागत विषयों तक सीमित नहीं था, बल्कि मतदाता सूची में नाम जोडे और हटाने, फॉर्म-6 में बदलाव, मतदाता डेटा के केंद्रीकरण तथा चुनावी सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली तक अधिकारियों की पहुंच जैसे संवेदनशील मुद्दों से था। यहां मूल चिंता यह नहीं है कि किसी संवैधानिक संस्था में अलग-अलग राय क्यों सामने आईं। लोकतांत्रिक संस्थाओं में असहमति अपने आप में कोई कमजोरी नहीं है। बल्कि स्वस्थ संस्थागत व्यवस्था में अलग राय रखना और उसे रिकॉर्ड पर दर्ज करना एक आवश्यक प्रक्रिया मानी जाती है। चिंता तब पैदा होती है जब यह सवाल उठे कि क्या उन आपत्तियों पर पर्याप्त विचार किया गया और क्या निर्णय प्रक्रिया वास्तव में सभी संबंधित सदस्यों की भागीदारी से आगे बढ़ी?

चुनाव आयोग तीन सदस्यीय संवैधानिक संस्था है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी इसके सदस्य हैं। यदि दो सदस्यों की ओर से महत्वपूर्ण मामलों में बार-बार लिखित आपत्तियां दर्ज की गई हैं, तो इन आपत्तियों की प्रकृति, उनका निस्तारण और अंतिम निर्णय तक पहुंचने की प्रक्रिया सार्वजनिक विमर्श का विषय बनना स्वाभाविक है। विशेष रूप से मतदाता सूची का मामला अत्यंत संवेदनशील है। मतदाता सूची केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं होती। यही वह आधार है जो तय करती है कि चुनाव के दिन कौन नागरिक अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेगा। इसलिए मतदाता सूची में किसी नाम का जुड ?ा, हटना या बहाल होना सीधे तौर पर नागरिक के लोकतांत्रिक अधिकार से जुड़ा प्रश्न है।

फॉर्म-6 में बदलाव को लेकर सामने आई आपत्ति इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। फॉर्म-6 नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला वैधानिक फॉर्म है। रिपोर्ट के अनुसार, विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान इसमें ऐसा घोषणा-पत्र जोड़ा गया, जिसमें आवेदक से यह बताने को कहा गया कि उसका या उसके माता-पिता अथवा दादा-दादी का नाम पिछली मतदाता सूची में था या नहीं। यदि किसी प्रक्रिया में इस तरह का महत्वपूर्ण बदलाव किया जा रहा हो और उससे पहले आयोग के ही दो सदस्यों की आपत्ति सामने आई हो, तो यह जानना जरूरी हो जाता है कि उस आपत्ति पर क्या विचार हुआ और बदलाव का अंतिम आधार क्या था।

मामला केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित नहीं है। मतदाता सूची के डिजिटल प्रबंधन को लेकर भी सवाल उठे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कुछ राज्यों में स्थानीय स्तर के निर्वाचन अधिकारियों की मतदाता डेटा से जुड़े फैसलों को सिस्टम में दर्ज करने की क्षमता प्रभावित हुई। पश्चिम बंगाल में कुछ ऐसे मामलों का भी उल्लेख है, जहां दस्तावेजों की जांच के बाद लोग पात्र पाए गए, लेकिन सॉफ्टवेयर में उनके नाम जोडे की प्रक्रिया को लेकर तकनीकी बाधाएं सामने आईं। गोवा में 97 पात्र मतदाताओं का मामला भी इसी तरह की तकनीकी समस्या से जुड़ा बताया गया है।

यह स्थिति एक बुनियादी सवाल खड़ा करती है कि चुनावी प्रक्रिया में अंतिम निर्णय किसका होगा, मैदानी स्तर पर काम कर रहा निर्वाचन अधिकारी या केंद्रीकृत डिजिटल सिस्टम ? तकनीक चुनावी प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाने का माध्यम हो सकती है, लेकिन वह लोकतांत्रिक निर्णय का विकल्प नहीं बन सकती। किसी तकनीकी प्रणाली में हुई त्रुटि के कारण यदि पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल नहीं हो पाता, तो इसका सीधा असर उसके मताधिकार पर पड़ सकता है। हालांकि, इस पूरे विवाद का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। चुनाव आयोग ने रिपोर्ट में बताए गए कथित आंतरिक मतभेद के निष्कर्ष को खारिज किया है। आयोग का कहना है कि सदस्यों की ओर से नोटिंग, टिप्पणियां, सुझाव और अलग-अलग राय देना सामान्य संस्थागत प्रक्रिया का हिस्सा है। आयोग के अनुसार, अनुच्छेद 324, वैधानिक नियमों और स्थापित प्रक्रियाओं के तहत विचार-विमर्श के बाद अंतिम फैसले लिए जाते हैं और एसआईआर सहित महत्वपूर्ण निर्णय तीनों आयुक्तों की मंजूरी से हुए हैं। इसलिए यह कहना जल्दबाजी होगी कि लिखित आपत्तियां अपने आप में आयोग के भीतर किसी निर्णायक विभाजन का प्रमाण हैं। लेकिन यह भी उतना ही सही है कि ऐसी आपत्तियों को पूरी तरह सामान्य प्रशासनिक टिप्पणी कहकर सार्वजनिक चिंता को समाप्त नहीं किया जा सकता। यदि 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज हुई हैं, तो लोकतांत्रिक पारदर्शिता की मांग यही होगी कि कम से कम यह स्पष्ट किया जाए कि किन मुद्दों पर असहमति थी, उन पर क्या विचार हुआ और अंतिम निर्णय किस प्रक्रिया के तहत लिया गया।

विपक्ष ने इन घटनाओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने की मांग की है, जबकि राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई और विशेष गहन पुनरीक्षण रोकने की मांग उठाई है। राहुल गांधी ने भी मतदाता सूची से जुड़े मुद्दे को लोकतांत्रिक अधिकारों और संविधान से जोड़ा है। इन राजनीतिक दावों की अपनी राजनीतिक पृष्ठभूमि है, इसलिए इनका मूल्यांकन स्वतंत्र तथ्यों और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। असल चुनौती किसी एक व्यक्ति या राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि चुनावी संस्थाओं पर जनता के भरोसे की है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता लोकतंत्र की बुनियादी पूंजी है। इसलिए आयोग के भीतर असहमति सामने आए तो उसका समाधान अधिक पारदर्शिता, स्पष्ट जवाबदेही और सार्वजनिक स्पष्टीकरण से होना चाहिए, न कि केवल विवाद को खारिज कर देने से।

जरूरत इस बात की है कि मतदाता सूची से जुड़े सभी महत्वपूर्ण बदलावों का स्पष्ट ऑडिट ट्रेल उपलब्ध हो। किस अधिकारी ने क्या निर्णय लिया, किस आधार पर लिया, किस स्तर पर उसे बदला गया और तकनीकी प्रणाली ने उस निर्णय को कैसे दर्ज किया। इन सवालों के जवाब लोकतांत्रिक व्यवस्था में अस्पष्ट नहीं रहने चाहिए। साथ ही, आयोग के भीतर दर्ज असहमति और उसके निस्तारण की संस्थागत प्रक्रिया भी स्पष्ट होनी चाहिए। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव तभी बन सकता है, जब हर पात्र नागरिक को यह भरोसा हो कि उसका नाम मतदाता सूची में सुरक्षित है और चुनावी प्रक्रिया किसी अदृश्य तकनीकी या प्रशासनिक हस्तक्षेप से प्रभावित नहीं होगी। चुनाव आयोग के दो सदस्यों की 14 लिखित आपत्तियों का मामला इसी भरोसे की कसौटी है।

छात्रों की आत्महत्या के असल जिम्मेदार कौन?

डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव

आईआईटी मुंबई में एक छात्र की आत्महत्या ने फिर से कई पुराने सवाल खड़े कर दिये हैं लेकिन हम हैं कि असल मुद्दे छोड़कर लेकर पीटने में मशगूल हैं। जैसे नीट पेपर लीक में मंत्री के इस्तीफे को सारी समस्या का इलाज समझ लिया गया था वैसे ही इस प्रकरण में प्रोफेसर के इस्तीफे की माँग की जा रही है। एससी/एसटी एक्ट के अतार्किक लेकिन डरावने प्रावधानों के तहत प्रोफेसर के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर दी गयी है। समर्थन और विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं और सोशल मीडिया भी अच्छी बुरी प्रतिक्रियाओं से सराबोर है। गम्भीर सामाजिक समस्या को राजनीतिक रंग देकर भीड़तंत्र के हवाले कर देना आज के दौर में एक परम्परा हो गया है। यह अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम बार बार असल समस्या को नजरअंदाज करके शुतुरमुर्ग की तरह रेत में सर छिपाये हुये हैं।

ऑन परपज नाम का पॉडकास्ट चलाने वाले विश्वप्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर जय शेट्टी अपनी बेस्टसेलर किताब थिंक लाइक अ मॉन्क में लिखते हैं कि आम तौर पर बच्चों को दो तरह के झूठ सुनना पड़ता है। या तो यह कि; तुम जीवन में कुछ नहीं बन सकते या फिर यह कि; तुम जीवन में जो चाहो बन सकते हो। जबकि वास्तविकता यह है कि कोई भी वह नहीं बन सकता जो वो चाहता है लेकिन वह जरूर बन सकता है जो वो है। ये झूठ भारतीय समाज के अधिकांश परिवारों पर पूरी तरह फिट बैठते हैं और अक्सर बच्चों से उनकी क्षमता से बहुत ज्यादा उम्मीद की जाती है। उपभोक्तावाद से ग्रस्त समाज में यह समझा जाता है कि महंगी कोचिंग के दम पर बच्चा जो चाहे वह बन सकता है। इस त्रासदी का एक दुखद पहलू यह भी है कि विरले मातापिता ही बच्चों को नैतिकता, नागरिक जिम्मेदारी, समाजसेवा, देशप्रेम तथा परोपकार की शिक्षा देते हैं। अधिकांश मातापिता की महत्वाकांक्षा बच्चे के आईआईटी अथवा मेडीकल कॉलेज में दाखिले की होती है क्योंकि इन दो व्यवसायों से प्रतिष्ठा और पैसा दोनों ही हासिल होते हैं।

भारतीय सिस्टम में करियर चुनाव के लिये कोई स्थापित प्रक्रिया नहीं है इसलिये अक्सर मातापिता की महत्वाकांक्षा और समाज की तत्कालीन अपेक्षा ही करियर निर्धारित करती है। जबकि वास्तव में किसी भी बच्चे का करियर तीन बुनियादी प्रश्नों से तय किया जाना चाहिये। पहला; वह क्या बनना चाहता है, दूसरा; वह क्या बन सकता है और तीसरा; वह क्या बनने के काबिल है? चूंकि हमारे समाज बच्चों में मौलिक सोच विकसित होने की गुंजाइश कम होती है इसलिए वह आसानी से बाहरी दुनिया से प्रभावित हो जाता है। नतीजा यह कि अक्सर पहले प्रश्न के पीछे साथियों का सोच और तत्कालीन सामाजिक धारा का प्रभाव होता है और दूसरे प्रश्न के पीछे माता पिता की महत्वाकांक्षा। तीसरे प्रश्न का उत्तर किसी भी बच्चे के व्यक्तित्व की बनावट और उसकी बौद्धिक क्षमता में मौजूद होता है लेकिन इन दोनों का सही आकलन न होने से सामाजिक दबाव और माता पिता की महत्वाकांक्षा ही ज्यादा असरदार साबित होते हैं। इसीलिये अधिकांश मातापिता द्वारा बच्चों को उनकी इच्छा के विपरीत और क्षमता के बाहर की पढ़ाई करने का दबाव डाला जाता है। और यह समस्या तब और भी गम्भीर हो जाती है जब बच्चों को महंगी कोचिंग क्लास में भेजा जाता है। पहले दसवीं कक्षा के बाद कोचिंग का फैशन था लेकिन भीषण प्रतिस्पर्धा के चलते अब कई कोचिंग संस्थान आठवीं कक्षा के बाद ही नीट या जेईई की तैयारी शुरू करवा देते हैं। इस कोचिंग कोर्स का लाखों खर्च के कारण मातापिता बच्चों को बीच बीच में याद दिलाते रहते हैं कि उन्हें हर हाल में सफल होना है। मातापिता भले ही इसे प्रेरणा समझें लेकिन यह बच्चों को और अधिक तनाव में डाल देता है।

कोचिंग क्लास की कठिन दिनचर्या कुछ इस तरह है कि छात्र को परम्परागत स्कूल छोड़ना पड़ता है और उनका प्रवेश ऐसे डमी स्कूलों में करवा दिया जाता है जहां सिर्फ उनकी हाजिरी दिखाई जाती है। चूंकि छात्र स्कूल के वातावरण से वंचित रहते हैं इसलिये उन्हें किशोरावस्था में सामंजस्य, समझौता, सहयोग, और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सीखने का अवसर ही नहीं मिलता। इसके बजाय वे कोचिंग के तनावपूर्ण माहौल में एक दूसरे से आगे निकलने के हुनर सीखते रहते है। इससे छात्रों का मानसिक और भावनात्मक विकास नहीं हो पाता और भावी जीवन में किसी भी कठिनाई और असफलता से छात्र टूट जाते हैं और कमजोर क्षणों में आत्मघात जैसे कठोर कदम भी उठा लेते हैं।

उपभोक्तावाद से प्रेरित समाज की सोच मातापिता की महत्वाकांक्षा तक पहुँच कर रुक गयी है। इसी का नतीजा है कि देश भर के नामी इंजीनियरिंग और मेडीकल संस्थानों में दाखिले के बावजूद बच्चे दबाव और तनाव में रहते हैं। कोचिंग के गलाकाट प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में सालों साल कोशिश करते रहने के परिणामस्वरूप ऐसे कई छात्रों की मानसिक स्थिति बेहद नाजुक और कमजोर हो जाती है और नामी संस्थानों में पढ़ाई का दबाव उन्हें निराशा और अवसाद में धकेल देता है। नतीजा यह कि आत्महत्या की घटनाएं निरन्तर जारी हैं। लेकिन हम हैं कि समस्या को अजीबोगरीब रंग देकर अगली दुर्घटना का इंतजार करने लगते हैं। इस लीपापोती के मूल में यह भय है कि असलियत सामने आते ही उसे स्वीकार करना मुश्किल होगा। और असलियत यही है कि इन आत्महत्याओं के वास्तविक जिम्मेदार महत्वाकांक्षी मातापिता और दिग्भ्रमित समाज हैं। हर आत्महत्या पर किसी को बलि का बकरा बना देने से आत्महत्याएं नहीं रुकेंगी। शिक्षाशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों और योजनाकारों को पूरी व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करना पड़ेगा तब हम आत्महत्याएं रोक पायेंगे।

स्वस्थ पर्यावरण तो स्वस्थ मानव, यही स्वस्थ पृथ्वी का संकल्प

ललित गर्ग

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का वास्तविक संदेश यही होना चाहिए-स्वास्थ्य मंत्रालय अकेले स्वस्थ समाज नहीं बना सकता और पर्यावरण मंत्रालय अकेले स्वस्थ पृथ्वी नहीं बचा सकता। दोनों को एक साथ चलना होगा। स्वच्छ हवा, निर्मल जल, स्वस्थ मिट्टी, सुरक्षित भोजन, संतुलित जलवायु और समृद्ध जैव-विविधता-ये पर्यावरण के विषय भर नहीं, मानव जीवन के मौलिक अधिकार हैं।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का संदेश है- 'पर्यावरण स्वास्थ्य-समुदायों की रक्षा के लिए विज्ञान के साथ खड़े होना।' यह थीम केवल पर्यावरण की रक्षा का आह्वान नहीं है, बल्कि विज्ञान, प्रमाण और सामूहिक जिम्मेदारी को मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा से जोड़ती है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता यही समझने की है कि पर्यावरण और स्वास्थ्य दो अलग-अलग विषय नहीं हैं। जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जिस पानी को पीते हैं, जिस मिट्टी में अन्न उगता है, जिस तापमान में हमारा शरीर जीता है और जिस जैव-विविधता के बीच हमारा जीवन चलता है, ये सभी हमारे स्वास्थ्य के अदृश्य आधार हैं। पर्यावरण बीमार होगा तो मनुष्य स्वस्थ नहीं रह सकता और मनुष्य का अस्वस्थ जीवन पर्यावरण को और अधिक बीमार करेगा। दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है और जल-संकट अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की वास्तविकता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार लगभग 3.6 अरब लोग वर्ष में कम-से-कम एक महीने अपर्याप्त जल उपलब्धता का सामना करते हैं। वर्ष 2000 के बाद बाढ़ से जुड़ी आपदाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की संख्या व अवधि में 29 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पानी कम हो रहा है, इसका अर्थ यह भी है कि बीमारियां, विस्थापन, खाद्य-असुरक्षा और मानसिक तनाव बढ़ने की जमीन तैयार हो रही है।

जलवायु परिवर्तन का सबसे कठोर चेहरा आज मानव शरीर पर दिखाई दे रहा है। डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार 2000-2004 की तुलना में 2017-2021 के दौरान 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में गर्मी से संबंधित मृत्यु-दर लगभग 85 प्रतिशत बढ़ी। गर्मी केवल असुविधा नहीं है, यह हृदय, श्वसन, मधुमेह, मानसिक स्वास्थ्य और अन्य बीमारियों को गंभीर बना सकती है। इसीलिए जलवायु नीति को स्वास्थ्य नीति से अलग देखने का समय समाप्त हो चुका है। वास्तव में पर्यावरणीय जोखिम आज वैश्विक स्वास्थ्य का मौन संकट बन चुके हैं। डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार पर्यावरण से जुड़े जोखिमों को कम करके दुनिया में होने वाली लगभग 24 प्रतिशत मौतों को रोका जा सकता है। वायु प्रदूषण अकेले हर वर्ष लाखों समयपूर्व मौतों से जुड़ा है। इसलिए अस्पतालों की संख्या बढ़ाना ही स्वास्थ्य व्यवस्था का अंतिम लक्ष्य नहीं हो सकता। यदि हवा प्रदूषित है, पानी असुरक्षित है, मिट्टी जहरीली है और शहरों में गर्मी बढ़ रही है, तो बीमारी के कारणों को छोड़े रखकर केवल इलाज की व्यवस्था बढ़ाना अधूरा प्रयास होगा।

आज दुनिया को 'इलाज आधारित स्वास्थ्य व्यवस्था' से 'रोकथाम आधारित पर्यावरणीय स्वास्थ्य व्यवस्था' की ओर बढ़ना होगा। अस्पताल बीमारी आने के बाद काम करता है, लेकिन स्वच्छ हवा बीमारी आने से पहले ही उसकी संभावना कम कर देती है। सुरक्षित पेयजल अस्पतालों पर बोझ घटाता है। हरित क्षेत्र मानसिक स्वास्थ्य को सहारा देते हैं। स्वच्छ ऊर्जा श्वसन रोगों का जोखिम घटाती है। बेहतर सार्वजनिक परिवहन वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन दोनों को कम कर सकता है। यही पर्यावरण और स्वास्थ्य का वास्तविक सहजीवन है। इसलिए विकास की परिभाषा पर भी पुनर्विचार जरूरी है। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें, अधिक उपभोग और अधिक उत्पादन अपने आप में विकास नहीं हैं। विकास वह है जिसमें मनुष्य के साथ नदी, जंगल, मिट्टी, पशु-पक्षी और आने वाली पीढ़ियों के जीवन का भी स्थान हो। यूएनईपी के नवीनतम ग्लोबल इनवारमेंट आउटलुक-7 ने भी रेखांकित किया है कि स्थिर जलवायु, स्वस्थ प्रकृति, बेहतर भूमि-प्रबंधन और प्रदूषण-मुक्त वातावरण में निवेश से आने वाले दशकों में अर्थव्यवस्था को बड़े लाभ मिल सकते हैं, जबकि वर्तमान विनाशकारी रास्ता जलवायु, जैव-विविधता, भूमि और स्वास्थ्य पर भारी कीमत डाल सकता है।

यहां भारत के लिए भी एक बड़ी संभावना छिपी है। जल-संरक्षण को केवल सरकारी योजना न बनाकर जन-आंदोलन बनाना होगा। वर्षाजल संचयन, तालाबों और झीलों का पुनर्जीवन, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह की रक्षा, भूजल का वैज्ञानिक प्रबंधन, जल-अपव्यय पर नियंत्रण और कृषि में कम पानी वाली तकनीकों का विस्तार-ये सब पर्यावरण नीति के साथ-साथ स्वास्थ्य नीति भी हैं। हर पुनर्जीवित तालाब केवल पानी नहीं बचाता, वह भविष्य की बीमारी, विस्थापन और खाद्य-संकट को भी कम करने में योगदान देता है। इसी प्रकार जंगलों और जैव-विविधता की रक्षा को भी स्वास्थ्य के केंद्र में लाना होगा। मनुष्य ने जब जंगलों को काटा, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को नष्ट किया और प्रकृति के संतुलन को तोड़ा, तो उसका प्रभाव केवल पेड़-पौधों तक सीमित नहीं रहा। डब्ल्यू.एच.ओ. आज पर्यावरण, पशु और मानव स्वास्थ्य को एक साथ देखने वाले ह्लवन हैल्थह्व दृष्टिकोण पर बल देता है। इसका संदेश स्पष्ट है-मानव स्वास्थ्य को पृथक द्वीप की तरह सुरक्षित नहीं किया जा सकता, स्वस्थ मनुष्य के लिए स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र आवश्यक है।

नई दिशा यह होनी चाहिए कि प्रत्येक शहर अपना 'पर्यावरण स्वास्थ्य बजट' बनाए। इसमें केवल सड़क और भवन नहीं, बल्कि प्रति व्यक्ति हरित क्षेत्र, स्वच्छ हवा, सुरक्षित पानी, वृक्ष आवरण, जल-संचयन, कचरा प्रबंधन, गर्मी से सुरक्षा और जैव-विविधता जैसे मानकों को भी शामिल किया जाए। प्रत्येक विद्यालय में बच्चों को केवल पर्यावरण दिवस पर पौधा लगाने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें अपने क्षेत्र की नदी, तालाब, जलस्तर, वायु गुणवत्ता और जैव-विविधता का स्थानीय संरक्षक बनाया जाए। अस्पतालों को भी ऊर्जा-कुशल, कम-कार्बन और जल-संरक्षण आधारित बनाया जाए। विज्ञान इस अभियान का मार्गदर्शक बने और संवेदना उसका आधार। आंकड़े हमें संकट का आकार बताते हैं, लेकिन संवेदना हमें कार्रवाई के लिए प्रेरित करती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रकृति कोई बाहरी वस्तु नहीं है जिसे हम बचा रहे हैं, हम स्वयं प्रकृति का हिस्सा हैं। नदी को बचाना अपने रक्त में बहते जल को बचाना है, जंगल को बचाना अपनी सांस को बचाना है, मिट्टी को बचाना अपने भोजन को बचाना है और जलवायु को बचाना अपने भविष्य को बचाना है। आज आवश्यकता पर्यावरण बनाम विकास की बहस की नहीं, बल्कि पर्यावरण-सम्मत विकास की है। विज्ञान हमें रास्ता दिखा रहा है और प्रकृति हमें उसकी कीमत का संकेत दे रही है। अब निर्णय मनुष्य को करना है कि वह संसाधनों का स्वामी बनकर उन्हें समाप्त करेगा या संरक्षक बनकर उन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएगा।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का वास्तविक संदेश यही होना चाहिए-स्वास्थ्य मंत्रालय अकेले स्वस्थ समाज नहीं बना सकता और पर्यावरण मंत्रालय अकेले स्वस्थ पृथ्वी नहीं बचा सकता। दोनों को एक साथ चलना होगा। स्वच्छ हवा, निर्मल जल, स्वस्थ मिट्टी, सुरक्षित भोजन, संतुलित जलवायु और समृद्ध जैव-विविधता-ये पर्यावरण के विषय भर नहीं, मानव जीवन के मौलिक अधिकार हैं। अंततः हमें ऐसी दुनिया बनानी है जहां अस्पताल कम और स्वस्थ जीवन अधिक दिखाई दे, जहां बोतलबंद पानी खरीदना मजबूरी नहीं, सुरक्षित प्राकृतिक जल सामान्य जीवन का हिस्सा हो। जहां वृक्ष सजावट नहीं, जीवन-सहचर माने जाएं, जहां नदी संसाधन नहीं, जीवंत धरोहर समझी जाए। पर्यावरण को स्वस्थ करना ही मानव स्वास्थ्य को स्वस्थ करना है और मानव जीवन को स्वस्थ बनाना ही पर्यावरण की सबसे बड़ी सुरक्षा है। यही सोच स्वस्थ पर्यावरण, स्वस्थ मनुष्य और स्वस्थ विश्व की नई त्रिवेणी बना सकती है। यही विज्ञान के साथ खड़े होने का वास्तविक अर्थ है और यही विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस की सार्थकता भी।

गणपति बप्पा मोरिया के जयघोष से गूंजा कोटद्वार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दस दिवसीय गणेश महोत्सव के समापन पर शुक्रवार को भगवान गणेश की विसर्जन यात्रा धूमधाम से निकाली गई। विभिन्न गणेश समितियों की ओर से निकाली गई शोभायात्रा में श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों की थाप पर जमकर झूमे। अबीर-गुलाल उड़ाते हुए श्रद्धालुओं ने 'गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आना' के जयकारे लगाए। सिद्धि विनायक समिति, बाल गणेश समिति सहित विभिन्न संस्थाओं ने भगवान गणेश की भव्य शोभायात्रा निकाली। नगर के अलग-अलग क्षेत्रों से निकली शोभायात्राएं झंडाचौक पहुंचीं, जहां से सभी श्रद्धालु गणपति बप्पा के जयघोष के साथ खोह नदी की ओर रवाना हुए। विसर्जन यात्रा में युवा, महिलाएं और बच्चे भजनों की धुन पर नृत्य करते नजर आए। अबीर-गुलाल से सराबोर श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन

कोटद्वार में गणेश विसर्जन यात्रा के दौरान नृत्य करते श्रद्धालु।

रहा था। खोह नदी पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की और नम आंखों से प्रतिमा को नदी में विसर्जित किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने अगले वर्ष गणपति बप्पा के जल्द आगमन की प्रार्थना की।

एनएसयूआई और यूएसएफ ने स्वाति रियाल को दिया समर्थन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : छात्रसंघ चुनाव में एनएसयूआई और यूएसएफ ने अध्यक्ष पद के लिए अपना अधिकृत प्रत्याशी मैदान में नहीं उतारा है। अब दोनों संगठनों ने जय हो के बैनर तले अध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ रही स्वाति रियाल को समर्थन देने की घोषणा की है। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष मंदीप और यूएसएफ के नवीन भंडारी ने बताया कि छात्र हितों और महाविद्यालय के विकास के लिए छात्रा को आगे बढ़ने का अवसर मिलना जरूरी है। इसी को देखते हुए स्वाति रियाल को समर्थन देने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि स्वाति के समर्थन में संगठन के कार्यकर्ता और पदाधिकारी लगातार छात्रों के बीच संपर्क कर रहे हैं। वहीं, जय हो और एनएसयूआई ने यूएसएफ के उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी नागेंद्र सिंह बिष्ट को समर्थन देने का निर्णय लिया है। छात्रसंघ चुनाव को लेकर विभिन्न छात्र संगठनों की सक्रियता बढ़ गई है।

मांगों को लेकर कर्मचारियों ने किया कार्य बहिष्कार

कोटद्वार तहसील परिसर में धरने के दौरान कर्मचारियों को संबोधित करते वक्ता।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वेतनमान बढ़ाने, पुरानी पेंशन बहाल करने समेत 12 सूत्रीय मांगों को लेकर उत्तरांचल फेडरेशन ऑफ मिनिस्टीरियल सर्विसेज एसोसिएशन से जुड़े कर्मचारियों ने गुरुवार को कार्य बहिष्कार किया। विभिन्न विभागों के कर्मचारी तहसील परिसर में एकत्र हुए और धरना देकर शासन-प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जताया। कर्मचारियों ने कहा कि वे पूरी ईमानदारी से अपने दायितों का निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन उनकी लंबित मांगों पर शासन-प्रशासन की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि मांगों को लेकर कई बार ज्ञापन देने और वार्ता करने के बावजूद समाधान नहीं हुआ है। कर्मियों ने पदोन्नत एसीपी व्यवस्था लागू करने, मिनिस्टीरियल पदों का पुनर्गठन, पुरानी पेंशन बहाल करने, गोल्डन कार्ड की समस्याओं का समाधान करने और स्थानांतरण अधिनियम में आ रही दिक्कतों को दूर करने समेत अन्य मांगें उठाईं। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि पांच अक्टूबर तक मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो वे अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार शुरू करने को विवश होंगे। धरने में गणेश गौड़, सुरेंद्र चौहान, शेखर चंद्र जोशी, दीपक रावत, अमित पंत, बृजपाल, बुद्धिलाल, बुद्धिबल्लभ चौहान, कबूतरी मधवाल, भावना सिंह, मनीष नेगी, रोहित सिंह, गोपाल बहादुर, नागेंद्र कुमार थपलियाल, आशा पांथरी, सुंदर सिंह नेगी और हेमंत रावत समेत विभिन्न विभागों के कर्मचारी मौजूद रहे।

नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता आयोजित

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : भक्तदर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयहरीखाल, पौड़ी गढ़वाल में नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय ह्लगंगा की स्वच्छता में नमामि गंगे कार्यक्रम का योगदानह्व रखा गया। महाविद्यालय के कला संकाय स्थित नागार्जुन कक्ष में आयोजित इस प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक एवं बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने अपने निबंधों के माध्यम से गंगा नदी की स्वच्छता, संरक्षण, जन-जागरूकता तथा नमामि गंगे कार्यक्रम की भूमिका से संबंधित अपने विचार प्रस्तुत किए। निर्णायकों द्वारा प्रतिभागियों के निबंधों का विषय वस्तु, प्रस्तुतीकरण, भाषा एवं मौलिकता आदि के आधार पर मूल्यांकन किया गया। महाविद्यालय में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में गंगा संरक्षण, स्वच्छता एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा। प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा स्वच्छता पखवाड़ा के समापन समारोह में की जाएगी। निर्णायक मंडल में डॉ. उमेश ध्यानी, डॉ. सुमन कुकरेती एवं डॉ. वसीम अहमद शामिल रहे। इस अवसर पर डॉ. दुर्गा रजक, डॉ. अर्चना नौटियाल, डॉ. शिप्रा, डॉ. मानसी वत्स, डॉ. सत्यनन्दन भगत आदि उपस्थित रहे।

11 ब्लॉकों में लगेंगे बहुउद्देशीय शिविर

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के 11 विकासखंडों में 26 सितंबर से 17 अक्तूबर तक बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किए जाएंगे। सीडीओ अशोक जोशी ने बताया कि शिविरों के माध्यम से आमजन को विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं और शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों को शिविरों में आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। 26 सितंबर को कोट, 28 सितंबर को पाबौ, एक अक्तूबर को पोखड़ा, तीन को थलीसैंण, छः को बीरोंखाल, 10 को द्वारीखाल, 13 को दुगड्डा, 14 को जयहरीखाल, 15 को कल्जीखाल, 16 को खिर्सू और 17 अक्तूबर को रिखणीखाल में शिविर लगाया जाएगा।

नाबालिगों ने की चोरी, चार लाख के जेवर बरामद

कौड़िया में घर से चोरी की वारदात का पुलिस ने 24 घंटे में किया खुलासा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कौड़िया क्षेत्र में घर से सोने-चांदी के जेवर चोरी होने के मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने मामले में दो बाल अपचारियों को पकड़ा है। उनके कब्जे से करीब चार लाख रुपये कीमत के चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, 23 सितंबर को प्रेम सिंह पुत्र हरमन सिंह, निवासी काशीरामपुर मल्ला, कौड़िया, थाना कोटद्वार ने तहरीर देकर बताया था कि उनके घर से अज्ञात चोर सोने और चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। घटना के खुलासे के लिए एसआई जयपाल सिंह, एसआई मेराजउद्दीन, मुख्य आरक्षी करण,

नाबालिगों के कब्जे से बरामत ज्वैलरी

आरक्षी कुलदीप और होमगार्ड कुलदीप की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने सुराग जुटाते हुए 24 सितंबर की शाम दिल्ली फार्म तिराहे से दो बाल अपचारियों को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए दोनों बाल अपचारी नाबालिग हैं। इनमें एक की उम्र 16 वर्ष है और वह बिजनौर जनपद के मंडावर क्षेत्र का निवासी है, जबकि दूसरा जींद क्षेत्र का रहने वाला है और वर्तमान में प्रेम सिंह के मकान में रह रहा था। पुलिस जांच में सामने आया कि एक बाल अपचारी का परिवार पिछले करीब 10 वर्षों से वादी प्रेम सिंह के मकान में किराएदार के रूप में रह रहा है। पूछताछ में बाल अपचारियों ने कथित तौर पर बताया कि मोबाइल खरीदने के लिए पैसों की व्यवस्था करने के उद्देश्य से उन्होंने घर से जेवर चोरी किए थे। पुलिस ने दोनों के कब्जे से करीब चार लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए हैं। दोनों बाल अपचारियों को आवश्यक कार्रवाई के बाद बाल कल्याण समिति और किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें बाल संप्रेषण गृह भेज दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

फार्मासिस्ट दिवस पर विद्यार्थियों ने निकाली जागरूकता रैली

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के विद्यार्थियों ने क्षेत्र में जागरूकता रैली निकाली। रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने आमजन को विभिन्न रोगों के लक्षण, बचाव और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों की जानकारी दी।रैली के दौरान विद्यार्थियों ने वर्तमान में फैल रही बीमारियों के साथ ही अन्य रोगों के प्रति भी लोगों को जागरूक किया। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने का संदेश दिया। कार्यक्रम के बाद राजकीय बेस अस्पताल कोटद्वार के वरिष्ठ फार्मासिस्ट डीएस नेगी ने फार्मासिस्ट की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में फार्मासिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. (डॉ.) पीएस राणा ने फार्मासिस्ट दिवस के महत्व की जानकारी देते हुए फार्मेसी विभाग के विद्यार्थियों और फार्मासिस्टों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का आयोजन फार्मेसी विभाग की प्राचार्य डॉ. ज्योति सक्सेना के नेतृत्व में किया गया।

ऋषि कंडवाल को ग्रामीणों ने बताई समस्या

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य ग्राम आमसौड़ पहुंचे सिंचाई सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष ऋषि कंडवाल का ग्रामीणों ने स्वागत किया। ग्रामीणों ने उन्हें सिंचाई से संबंधित विभिन्न समस्याओं से भी अवगत करवाया। ऋषि कंडवाल ने ग्रामीणों ने जल्द से जल्द समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया।ग्राम आमसौड़ में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं को मजबूत किया जाना किसानों और ग्रामीणों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने सिंचाई से संबंधित लंबित समस्याओं के समाधान और क्षेत्र की जरूरत के अनुरूप नए कार्य शुरू कराने की मांग भी रखी। कहा कि समय पर सिंचाई का जल नहीं मिलने के कारण फसल को नुकसान होता है, जिससे परिवारों की आर्थिकी भी डगमगा जाती है। ऋषि कंडवाल ने कहा कि वह समस्या के निराकरण को लेकर गंभीरता से कार्य करेंगे। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों के साथ ही ग्राम प्रधान रेशमा आर्य, इंद्र मोहन जुयाल, सुमन जुयाल, सुदीप बौंठियाल, दीपक आदि मौजूद रहे।

पुरानी पेंशन की बहाली के लिए कर्मचारियों ने निकाली रैली

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पुरानी पेंशन बहाली समेत विभिन्न मांगों के समाधान के लिए उत्तरांचल फेडरेशन ऑफ मिनिस्ट्रीयल सर्विसेज एसोसिएशन के बैनर तले कर्मचारियों ने जिला मुख्यालय में प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने एजेंसी चौक से माल रोड, बस स्टेशन और धारा रोड होते हुए डीएम कार्यालय तक रैली निकाली। कर्मचारियों ने डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी भेजा। फेडरेशन के जिलाध्यक्ष सीताराम पोखरियाल ने चेतावनी दी जल्द समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने पुरानी पेंशन बहाली, गोल्डन कार्ड की समस्याओं का समाधान, पदोन्नति, स्थानांतरण और सेवा संबंधी विसंगतियों सहित 12 मांगें पूरा करने की मांग उठाई। फेडरेशन ने मांगों के समाधान के लिए चरणबद्ध आंदोलन का निर्णय लिया है। इस मौके पर मंडलीय अध्यक्ष रेवती नंदन डंगवाल, जिला सचिव दीपक गोडियाल, संदीप भट्ट, डीसी पुरोहित, बलवंत नेगी, नरेंद्र रावत, प्रदीप नेगी, कामिनी, भावना, विनय गिल्याल, अंकित कठैत, सौरभ नौटियाल, करन सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

टनकपुर–पिथौरागढ़ ऑलवेदर सड़क पर बोल्डर गिरने से यातायात ठप

पिथौरागढ़ , टनकपुर–पिथौरागढ़ ऑलवेदर सड़क पर दिक्कत कम होने का नाम नहीं ले रही है। घाट बैंड पर फिर से बोल्डरों की बारिश से सड़क पर वाहनों की सुबह से ही थमी रही। सड़क के दोनों तरफ सैकड़ों वाहन और यात्री फंसे रहे। फल, सब्जी, रसोई गैस सहित अन्य सामग्री के वाहन फंसने से आपूर्ति लड़खड़ा गई। वहीं रोडवेज बसों के फंसने से यात्री परेशान रहे।

डीसीबी की बैठक में 20 बकायेदारों के खिलाफ वसूली का प्रस्ताव पारित

नई टिहरी। जिला सहकारी बैंक (डीसीबी) टिहरी की बोर्ड बैठक में ध्वनिमत से बड़े 20 बकायेदारों के खिलाफ वसूली का प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में डिफाल्टरों के विरुद्ध सरफेसी एक्ट के तहत आरसी और जरूरत पड़ने पर एफआईआर दर्ज करने की बात कही गई। डीसीबी बैंक मुख्यालय नई टिहरी के सभागार में अध्यक्ष सुभाष चंद रमोला की अध्यक्षता में सहकारी बैंक की बोर्ड बैठक संपन्न हुई। अध्यक्ष रमोला ने कहा कि बैंक का पैसा मारने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नही जाएगा। उन्होंने बताया 20 बड़े बकायेदारों जिन पर 30 से 40 लाख रुपए तक का ऋण है और उन्होंने लौटाया नही है अगर वो लोग एक माह के भीतर पैसा जमा नही करेंगे तो उनकी आरसी काटी जाएगी। साथ ही निर्णय लिया गया कि नए शिक्षक जो भी बैंक में सीसीएल बनाना चाहते हैं, उनसे बैंक कोई प्रोसेसिंग शुल्क नही लेगा और बदले में उन्हें सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर सचिव / महाप्रबंधक राहुल गैरोला, नाबार्ड के डीजीएम आनंद शुक्ला, भूपेंद्र रावत आदि मौजूद रहे।

दुगड्डा में जिला कांग्रेस कार्यालय का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शुक्रवार को दुगड्डा में जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय का शुभारंभ जिलाध्यक्ष विकास नेगी ने किया। कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने तथा जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का संकल्प लिया।

जिलाध्यक्ष विकास नेगी ने कहा कि कार्यालय खुलने से संगठन की गतिविधियों को गति मिलेगी और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता आमजन की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने के साथ ही जनता के बीच सक्रियता से कार्य करेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत बनाने और जनसमस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने भी संगठन की मजबूती और जनहित के मुद्दों को लेकर लगातार सक्रिय रहने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद डबराल, कांग्रेस नेता पियूष कैंतुरा, कैप्टन दीपक बिष्ट, जिला महासचिव विमल बिष्ट, नगर अध्यक्ष नितेश ठाकुर, ब्लॉक अध्यक्ष संजय तोमर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रितेश शर्मा हेमनदास सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में हुआ सामूहिक वंदेमातरम् गायन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रितेश शर्मा हेमनदास सरस्वती शिशु विद्या मंदिर इंटरमीडिएट कॉलेज, जानकीनगर, कोटद्वार में नमामि भारतम् अभियान के अंतर्गत वंदेमातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सामूहिक वंदेमातरम् गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इससे वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों एवं आगंतुकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनसमुदाय को राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक गौरव और देश के प्रति अपने कर्तव्यों के निर्वहन का संदेश दिया गया। इस मौके पर मुख्य वक्ता कुंज बिहारी भट्ट द्वारा राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं वंदेमातरम् के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर अपने विचार रखे गए। कार्यक्रम

अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा ने विद्यार्थियों को राष्ट्र के प्रति समर्पण, अनुशासन और कर्तव्यबोध के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। कहा कि आयोजन का उद्देश्य केवल सामूहिक गायन तक सीमित नहीं है, बल्कि नई पीढ़ी को 'वंदे मातरम' की ऐतिहासिक यात्रा, उसके राष्ट्रीय महत्व तथा स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणादायी विरासत से जोड़ना है। इसके उपरांत सामूहिक रूप से वंदेमातरम् का गायन किया। इससे पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति एवं देशप्रेम से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती, प्रधानाचार्य महेंद्र गौड़, प्रधानाचार्य प्रदीप गुसाईं सहित सामूहिक वंदेमातरम् गायन समिति के संयोजक रोहित बलोदी, सह संयोजक राहुल भाटिया, अध्यक्षा मधुबाला नौटियाल, उपाध्यक्षा संगीता रावत, सचिव शिवराम बडोला, सह सचिव मोहन सिंह गुसाईं सहित समिति के सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही।

स्कूल में गूंजा राष्ट्रगीत

कोटद्वार : शुक्रवार को मेहरबान सिंह कण्डारी सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज में वन्देमातरम् सामूहिक गायन कार्यक्रम बड़े धूमधाम से मनाया गया। इससे पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति एवं देशप्रेम से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम की शुरूवात विद्यालय के प्रधानाचार्य चन्दन सिंह एवं अतिथि गणों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबन्धक कैलाश चन्द्र अग्रवाल, अध्यक्ष विष्णु कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष मोहन सिंह रावत, प्रबन्ध समिति के संरक्षक गोपाल कृष्ण, कुसुम चौहान, दिनेश चन्द्र जुयाल, शशिमोहन उनियाल, राजदीप माहेश्वरी, कैलाश वेदी, पीएल खंतवाल, चन्दमोहन चौधरी, रतन लाल वर्मा, दीपक जदली, हरीश रावत, ज्योति सिंह, सुरेन्द्र, शम्भू प्रसाद मंमगई, सरोजनी कुकरेती, गौरव, हमेन्द्र, अमन, गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल, बलवान सिंह, हरीश खर्कवाल, राजेश रावत, विपुल उनियाल, सचिन, दलजीत, रामलाल आदि मौजूद थे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन दर्शन जनसेवक के लिए प्रेरणास्रोत

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को एकात्म मानववाद और अन्त्योदय के प्रणेता, महान विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और उनका भावपूर्ण स्मरण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन दर्शन प्रत्येक जनसेवक के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के कल्याण और उत्थान को विकास का आधार माना। उनका अन्त्योदय का विचार समाज के समग्र एवं समावेशी विकास के लिए सदैव मार्गदर्शक रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अन्त्योदय के विचार को आत्मसात करते हुए गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सरकार की प्राथमिकता है कि विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, मेयर विकास शर्मा, ब्लॉक प्रमुख रीना गौतम, जिलाधिकारी श्री नितिन सिंह भदौरिया, एसएसपी अजय गणपति सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

जयंती पर मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय का किया भावपूर्ण स्मरण

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / मुख्यालय / मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	202-DRM-MB-26-27 dt. 23.09.2026	204-DRM-MB-26-27 dt. 23.09.2026
Name of Work	Maintenance of Lawn of Officer's Bungalows, parks & Other Service Building in the section of SSE/W/DRM Office/MB	Heavy repair to DRM Office building & routine maintenance of new control building in North Colony/MB under ADEN/HQ/MB..
Tender Closing Date Time	21/10/2026	21/10/2026
Advertised Value (Rs.)	74,99,998.95	99,99,568.21
Earnest Money (Rs.)	1,50,000.00	2,00,000.00
Tender Cost (Rs.)	00	00
Bidding Start Date	07/10/2026	07/10/2026
Period of Completion	12 Months	06 Month

सं.: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 23.09.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3338/26

नेस्ले इंडिया ने सीएसआर के तहत उपलब्ध कराए सात इलेक्ट्रिक कचरा कलेक्शन वाहन

मुख्यमंत्री ने अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 15 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को खटीमा में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 15 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें नेस्ले इंडिया द्वारा सीएसआर के तहत उपलब्ध कराए गए सात इलेक्ट्रिक कचरा कलेक्शन वाहन भी शामिल हैं।

नेस्ले इंडिया द्वारा धर्मपुर, छत्तरपुर, बिंदूखेड़ा (फौजी मटकोटा), कीरतपुर, बागवाला, दानपुर और नगला तराई के लिए एक-एक इलेक्ट्रिक कचरा कलेक्शन वाहन उपलब्ध कराया गया है। इस अवसर पर ब्रिटानिया की ओर से स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि ठोस एवं तरल अपशिष्ट के बेहतर प्रबंधन में आधुनिक संसाधनों, जनभागीदारी और कॉरपोरेट सेक्टर के सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर विकसित किया जा रहा सेल्फ-सस्टेनिंग मॉडल स्वच्छता व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होगा। कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रदेश में कचरा संग्रहण एवं निस्तारण की व्यवस्था को और अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाया जाए। मुख्य विकास अधिकारी दिवेश सासनी ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशन में जनपद ऊधम सिंह नगर की 373 ग्राम पंचायतों में 71 क्लस्टरों के माध्यम से ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की कार्ययोजना तैयार की गई है। नगर निकायों से लगे ग्रामीण क्षेत्रों तथा प्रमुख स्थानीय बाजारों में नियमित कूड़ा संग्रहण एवं निस्तारण के लिए संबंधित नगर निकायों के साथ एमओयू किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए कुल 231 वाहनों का बेड़ा तैयार किया गया है। इनमें स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत 134 ई-रिक्शा एवं 75 ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ ही सीएसआर एवं अन्य योजनाओं से उपलब्ध कराए गए वाहन शामिल हैं।

प्रभारी मंत्री से सवाल पूछने पहुंचे कांग्रेसी, पुलिस ने गेट पर रोका

उत्तरकाशी, जनपद मुख्यालय के राजकीय कीर्ति इंटर कॉलेज में चल रहे सेवा संकल्प कार्यक्रम के दौरान हंगामा हो गया। मौजूद प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा से जनपद की स्वास्थय, सड़क, शिक्षा और जिला योजना में हुई कतिथ बंदरबांट को लेकर सवाल पूछने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारियों को पुलिस ने गेट पर रोका। गेट पर पुलिस और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में भारी झड़प देखने को मिली। इस दौरान कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं के कपड़े भी फंट गए। कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप रावत ने कहा कि प्रभारी मंत्री कह रहे कि जिला योजना का आवंटन ठेकेदारी प्रथा को रोकने के लिए हुआ। लेकिन उसमें जमकर कमीशनखोरी और अन्य कारनामे किए गए और कर रहे हैं।

यहां पर कमीशनखोरी को बढ़ावा दिया गया। पूर्व जिलाध्यक्ष मनीष राणा का कहना है कि आज अस्पतालों में डॉक्टर नहीं, स्कूल बंद हो रहे, सड़कों के गड्ढे नहीं भरे गए। साथ ही आईटीआई से लेकर पॉलिटेक्निक के भवनों के निर्माण पर करोड़ो खर्च होने के बाद भी नहीं बन पाए भवन। आम व्यक्ति सड़कों पर परेशान है और यहां सेवा संकल्प के तहत करोड़ो की धनराशि खर्च की जा रही है। उसके बाद पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर कोतवाली ले गई।

वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से गूंजा उत्तरकाशी जिला

उत्तरकाशी/बड़कोट/चिन्यालीसौड़। वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को जिलेभर में एक समय, एक स्वर, एक लय में सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मुख्य कार्यक्रम रामचंद्र उनियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में हुआ। गोस्वामी गणेशदत्त सरस्वती विद्या मंदिर उत्तरकाशी की ओर से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। करीब 2300 छात्र-छात्राओं और अभिभावकों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत का गायन किया।

प्रभारी मंत्री ने वंदे मातरम् के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से देश की संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, दर्जाधारी प्रताप पंवार, जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान समेत जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक-कर्मचारी और विभिन्न संगठनों के लोग मौजूद रहे। प्रधानाचार्य देवी प्रसाद नौटियाल ने बताया कि जिलेभर में 52 स्थानों पर हुए आयोजनों में 15 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और लोगों ने सहभागिता की। लक्षेश्वर के घनश्यामानंद सरस्वती विद्या मंदिर में 224 लोगों ने सामूहिक गायन किया।

उधर, बड़कोट के सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में विद्यालय स्टाफ, अभिभावकों, स्थानीय लोगों और छात्र-छात्राओं ने एक स्वर में वंदे मातरम् गाया।

कार्यक्रम में कुल 114 लोगों ने भाग लिया। चिन्यालीसौड़ में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज शक्तिपुरम् में भी सुबह सामूहिक गायन हुआ। मुख्य अतिथि दर्जाधारी राम सुंदर नौटियाल समेत अन्य अतिथियों ने कार्यक्रम में शिरकत की।

753 हेक्टेयर भूमि स्थलीय सत्यापन कराने के दिए निर्देश

नई टिहरी। डीएम नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में पटवारियों को चिह्नित भूमि के कॉर्डिनेट्स प्राप्त कर मौके पर जमीन का सत्यापन करने के निर्देश दिए गए। सभी एसडीएम को भूमि का स्थलीय सत्यापन करने को भी कहा गया है। जीआईएस मैपिंग के माध्यम से अब तक जिले में 753 हेक्टेयर भमि उपयुक्त पाई गई है। डीएफओ को चिह्नित जमीन का परीक्षण करने और भूमि सीए लैंड ट्रांसफर करने के लिए निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने को कहा गया है। उन्होंने पटवारियों को जिले में उपलब्ध खाली और अनुपयोगी भूमि के सभी लैंड पार्सल का मापन कर उनका विवरण तैयार करने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया में डीएफओ, एसडीएम और पटवारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और भूमि के चिन्हीकरण से लेकर स्थलीय सत्यापन और मापन तक की कार्यवाही समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करे।

मिनिस्ट्रीयल कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में दिया धरना

उत्तरकाशी। उत्तरांचल फेडरेशन ऑफ मिनिस्ट्रीयल सर्विसेज एसोसिएशन से जुड़े कर्मचारियों ने 12 सूत्री मांगों के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में एक दिवसीय धरना दिया। इस दौरान कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर मांगों के जल्द निस्तारण की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कर्मचारियों ने कनिष्ठ सहायक का ग्रेड वेतन लेवल-5 करने, प्रधान सहायक एवं प्रशासनिक अधिकारी के पदों को समाहित कर प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के पदों का पुनर्गठन करने की मांग की। साथ ही एक पद उप निदेशक लेवल-9 के अतिरिक्त सृजित करने की मांग उठाई। उन्होंने जिन

विभागों में पदोन्नति नहीं हो रही है, वहां पदोन्नत एसीपी की व्यवस्था लागू करने, मिनिस्ट्रीयल पदों का पुनर्गठन जल्द कराने की मांग की। वहीं, कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन योजना बहाल करने के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध करने, गोल्डन कार्ड की समस्याओं का समाधान, स्थानांतरण अधिनियम की कठिनाइयां दूर करने और मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के कर्तव्य एवं दायित्व संबंधी संशोधित शासनादेश जारी करने आदि की मांग की। इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष अजय सिंह रावत, जयप्रकाश बिजल्वाण, अनिल रावत, जयप्रकाश गौड़, केपी मेहता, प्रेम प्रकाश नौटियाल, सुरेंद्र प्रसाद, यशपाल बिष्ट, बलवंत असवाल आदि मौजूद रहे।

एक नजर

समस्याओं को लेकर प्रभारी मंत्री बहुगुणा को सौंपा मांगपत्र

चिन्यालीसौड़। क्षेत्र में लंबित विकास कार्यों और स्थानीय समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर भाजपा नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल सिंह रावत ने प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा से मुलाकात की। उन्होंने क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल करने और स्वीकृत विकास कार्यों को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा कराने की मांग की।

प्रभारी मंत्री को सौंपे मांग पत्र में उन्होंने चिन्यालीसौड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उप जिला चिकित्सालय के रूप में उच्चीकृत करने, राजकीय महाविद्यालय को पीजी स्तर तक विकसित करने और नवोदय विद्यालय बिजोटी के भवन निर्माण को शीघ्र पूरा कराने का आग्रह किया। रावत ने यूजेवीएनएल के सीएसआर मद से शहीद हवलदार मोहन लाल राजकीय इंटर कॉलेज बड़ेथी हिटारा में दो कक्षों व मीटिंग हॉल व झाड़ी हनुमान मंदिर से खेल मैदान तक सड़क पर कंक्रीट कार्य कराने का मुद्दा उठाया। आपदा प्रभावित बड़ेथी के छूटे लाभार्थियों को राहत सूची में शामिल कर दूसरी किस्त जल्द जारी करने आदि की मांग भी की।

पीसीपीएनडीटी समिति ने अल्ट्रासाउंड केंद्रों का किया निरीक्षण

नई टिहरी। जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति और लिंग चयन प्रतिषेध समिति (पीसीपीएनडीटी) ने अल्ट्रासाउंड केंद्रों का निरीक्षण किया। समिति ने बौराड़ी जिला चिकित्सालय, चंबा में मसीहा अस्पताल, नई टिहरी पशु चिकित्सालय, घनसाली में सीएचसी बेलेश्वर और उत्तराखंड डायग्नोसिस सेंटर के अल्ट्रासाउंड और सोनोग्राफी से संबंधित अभिलेखों, पंजीकरण संबंधी दस्तावेज, सहमति प्रपत्र और अन्य रिकॉर्ड का अवलोकन किया। इसके साथ ही समिति द्वारा पूर्व में सील किए गए उत्तराखंड डायग्नोसिस सेंटर घनसाली का भी निरीक्षण कर संबंधित अभिलेखों एवं व्यवस्थाओं की जांच की गई।

समिति ने संबंधित संस्थानों के कर्मचारियों को पीसीपीएनडीटी अधिनियम और नियमों में निर्धारित प्रावधानों का पूर्ण रूप से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण समिति में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. चंदन कुमार, जिला सहायक अभियोजन अधिकारी परवाज अख्तर, जिला समन्वयक तनुजा रावत (पीसीपीएनडीटी), डॉ. जूही शर्मा, एनजीओ सदस्य मनोज नकोटी और सुशील कुमार बहुगुणा आदि शामिल रहें।

इंटर के छात्रों के लिए आयोजित की कॅरियर काउंसलिंग

नई टिहरी। जिला प्रशासन की ओर से नगर पालिका में कॅरिअर काउंसलिंग आयोजित की गई। जिसमें चंबा ब्लॉक के इंटरमीडिएट के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सेमिनार में छात्रों को सेना, मेडिकल, पुलिस, शिक्षा, होटल मैनेजमेंट और बैंकिंग आदि क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की जानकारी दी गई। इस दौरान छात्र-छात्राओं की स्वास्थ्य जांच भी कराई गई।

सीडीओ वरुणा अग्रवाल ने नगर पालिका हॉल में कॅरिअर काउंसलिंग का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया छात्रों को मेडिकल और इंजीनियरिंग आदि क्षेत्रों में कॅरिअर बनाने के लिए कई स्कूलों में भी ऑनलाइन कोचिंग कराई जा रही है। सीडीओ ने कहा कि जीवन में सफलता अर्जित करने के लिए मेहनत के अलावा कोई और विकल्प नहीं है साथ ही छात्रों के लिए सही समय पर सही कॅरिअर मार्गदर्शन बेहद महत्वपूर्ण है। काउंसलिंग में विशेषज्ञों ने छात्रों को रुचि, योग्यता और क्षमता के अनुरूप कॅरिअर का चयन करने के साथ संबंधित क्षेत्र की शैक्षणिक योग्यता, प्रतियोगी परीक्षा, कौशल विकास, प्रशिक्षण और तैयारी की जानकारी दी। छात्रों ने विशेषज्ञों को कॅरिअर विकल्पों से जुड़े सवालों की जानकारी मांगी। कॅरिअर काउंसलिंग में चंबा ब्लॉक के करीब 600 से अधिक छात्र-छात्राओं और कई शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

मां नंदा राजराजेश्वरी की डोली देवराड़ा मंदिर में विराजमान

थराली। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर मां नंदा राजराजेश्वरी की कैलाश यात्रा शुक्रवार को संपन्न हो गई। देवी की डोली छह माह के प्रवास के लिए सिद्धपीठ देवराड़ा मंदिर के गर्भ गृह में विराजमान की गई। यह यात्रा 21 पड़ावों के बाद पूरी हुई।

शुक्रवार सुबह देवी की डोली अपने अंतिम पड़ाव ढूंगाखोली से भेंटा गांव पहुंची। दोपहर में भोज के बाद शाम पांच बजे डोली बाजे-भंकोरों के साथ देवराड़ा मंदिर पहुंची। विधि-विधान और पूजा-पाठ के साथ देवी के पश्वा अवतरित हुए। इसके बाद मां की मूर्ति को गर्भगृह में स्थापित किया गया। इस दौरान बीस से अधिक गांवों के सैकड़ों भक्तों ने मां के जयकारे लगाए। ध्याणियों ने देवी गीत गाए जिससे माहौल भक्तिमय हो गया। कई ध्याणियां देवी की डोली से लिपटकर भावुक हो गईं। मां नंदा की कैलाश यात्रा 5 सितंबर को

कुरुड़ से शुरू हुई थी। यह यात्रा कुल 21 पड़ावों से होकर गुजरी। मंदिर के पुजारी पारेश्वर देवराड़ी और गौड़ पुजारियों ने मंत्रोच्चार के साथ डोली को मंदिर में विराजमान किया। इस अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष भुवन हटवाल और नगर पंचायत अध्यक्ष सुनीता रावत उपस्थित थे। इनके साथ विनोद रावत, सुशील रावत, अब्बल सिंह, रणजीत सिंह, लाल सिंह, पुष्पा देवी, महेशी देवी और लक्ष्मी देवी आदि मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री ने विद्यार्थियों से किया विकसित भारत के सपने पर संवाद

उत्तरकाशी। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं जनपद प्रभारी सौरभ बहुगुणा ने दो दिवसीय उत्तरकाशी दौरे के दौरान युवाओं और विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें मेहनत, अनुशासन और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया। उन्होंने तिलोथ स्थित गंगोत्री फिजिकल एकेडमी पहुंचकर सेना एवं अन्य सुरक्षा बलों में भर्ती की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों से बातचीत कर उनकी तैयारियों, चुनौतियों व अनुभवों की जानकारी ली। प्रभारी मंत्री ने कहा कि देशसेवा का लक्ष्य लेकर कठिन परिश्रम कर रहे युवाओं का समर्पण प्रेरणादायी है। उन्होंने युवाओं से निरंतर अभ्यास, दृढ़ संकल्प और सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया। प्रभारी मंत्री ने राजकीय आदर्श कीर्ति इंटर कॉलेज में सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित मेरे सपनों का भारत कार्यक्रम में भी प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने तब और अब विषय पर चित्रकला, निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चित्रकला और रंगोली का अवलोकन करने के साथ उन्होंने विद्यार्थियों से विकसित भारत की विकास यात्रा पर संवाद किया। सौरभ बहुगुणा ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की प्रतिभा, नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना महत्वपूर्ण है। उन्होंने मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्वरोजगार के अवसरों का उल्लेख करते हुए युवाओं से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर स्वयं आत्मनिर्भर बनने और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने का आह्वान किया।

छह साल पहले पढ़ाई पूरी, अब तक नहीं मिले प्रमाणपत्र

टिहरी। श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली को लेकर एक पूर्व छात्र ने गंभीर सवाल उठाए हैं। वर्ष 2020 में पढ़ाई पूरी कर चुके छात्र को छह साल बाद भी स्थानांतरण प्रमाणपत्र (टीसी) और चरित्र प्रमाणपत्र नहीं मिल सके हैं। प्रमाणपत्र हासिल करने के लिए छात्र कई बार संबंधित कॉलेज को पत्र लिख चुका है लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका। परेशान छात्र ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिकायत की है।

विवि से संबद्ध राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोईवाला से एम परास्नातक की पढ़ाई पूरी करने वाले पौड़ी निवासी छात्र ने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत करते हुए बताया कि पढ़ाई पूरी करने के बाद से ही वह प्रमाणपत्र हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा है। इसके लिए कॉलेज स्तर पर कई बार पत्राचार किया गया, लेकिन हर बार इंतजार ही हाथ लगा। छह वर्ष बीत जाने के बावजूद प्रमाणपत्र जारी नहीं होने से छात्र को आगे की शैक्षिक और अन्य प्रक्रियाओं में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत में बताया कि छात्र ने प्रमाणपत्र जारी करने के संबंध में संबंधित कॉलेज प्रशासन को कई बार पत्र भेजे। इसके बावजूद प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं कराए गए। छात्र का कहना है कि लंबे समय से वह कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर पर समस्या के समाधान की उम्मीद कर रहा है, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है।

ठेकेदार संघ ने आंदोलन की चेतावनी दी

देवाल। राजकीय ठेकेदार संघ ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता से थराली-देवाल-लोहाजंग स्टेट हाईवे की मरम्मत की मांग की है। संघ ने चेतावनी दी यदि सड़क ठीक नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। संघ अध्यक्ष पुष्कर फस्वार्ण ने इस संबंध में ईई को ज्ञापन भेजा। उन्होंने बताया कि उलंग्रा गांव के पास किलोमीटर 18 और 19 पर हाईवे की हालत बहुत खराब है। सड़क पर गड्ढे हैं और पुश्ते भी क्षतिग्रस्त हैं।

नालियां और स्कपर न होने से बरसात का पानी सड़क पर बहता है। किलोमीटर 19 पर गोविंदी देवी के आवासीय घर के नीचे सड़क की दीवार क्षतिग्रस्त है। इससे अनुसूचित जाति बस्ती को खतरा बना हुआ है।

बदरीनाथ यात्रा : ज्योतिर्मठ में फिर लागू हुआ गेट सिस्टम

ज्योतिर्मठ। बदरीनाथ धाम की यात्रा के दूसरे चरण में ज्योतिर्मठ से मारवाड़ी के बीच जाम की समस्या से निपटने के लिए पुलिस ने बृहस्पतिवार से गेट सिस्टम फिर लागू कर दिया है। वाहनों की संख्या और सड़क की स्थिति को देखते हुए पुलिस यातायात संचालित करेगी। ज्योतिर्मठ और मारवाड़ी पेट्रोल पंप पर वाहन रोके जाएंगे। बृहस्पतिवार सुबह कुछ देर तक वाहनों को रोककर व्यवस्था लागू की गई जबकि दोपहर में वाहनों का दबाव कम होने पर यातायात सामान्य कर दिया गया। बदरीनाथ धाम की द्वितीय चरण की यात्रा रफ्तार पकड़ने लगी है। बारिश थमने के बाद धाम में दर्शन के लिए यात्रियों की संख्या बढ़ रही है। वहीं ज्योतिर्मठ से मारवाड़ी के बीच सड़क पर कटिंग का कार्य चल रहा है। ऐसे में वाहनों का दबाव बढ़ने पर जाम की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका है। इसे देखते हुए पुलिस ने यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए गेट सिस्टम लागू कर दिया। कोतवाल देवेंद्र रावत ने बताया कि ज्योतिर्मठ से मारवाड़ी के बीच

सड़क की स्थिति ठीक नहीं है और यात्रा का दबाव भी बढ़ रहा है। ऐसे में वाहनों की संख्या के अनुसार गेट सिस्टम के तहत यातायात संचालित होगा। बदरीनाथ जाने वाले यात्री वाहनों को ज्योतिर्मठ में पेट्रोल पंप से नृसिंह मंदिर तक रोका जाएगा जबकि बदरीनाथ से आने वाले वाहनों को मारवाड़ी के पास रोका जाएगा। सड़क की स्थिति और वाहनों की संख्या के अनुसार वाहनों को आगे जाने की अनुमति दी जाएगी।

टिहरी झील के आसपास अब नहीं चलेगा बेतरतीब विकास

टिहरी , झील के पूरे क्षेत्र में बेतरतीब विकास रोकने के लिए मास्टर प्लान बनेगा। साथ ही झील क्षेत्र का जोनल प्लान भी तैयार किया जाएगा। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने बृहस्पतिवार को टिहरी झील क्षेत्र को ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की तैयारियों की बैठक ली। मुख्य सचिव ने कहा कि झील के आसपास के करीब 8000 हेक्टेयर क्षेत्र को शामिल करते हुए समग्र मास्टर एवं जोनल प्लान तैयार किया जाए।

इसमें सरकारी एवं निजी दोनों प्रकार की भूमि को शामिल किया जाए। उन्होंने बेतरतीब विकास को रोकने के लिए पूरे क्षेत्र का मास्टर प्लान तैयार करने के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के लिए आवश्यकतानुसार जोन निर्धारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान तैयार करते समय सभी संबंधित हितधारकों से विचार-विमर्श किया जाए। ताकि क्षेत्र की भौगोलिक

परिस्थितियों, स्थानीय आवश्यकताओं, पर्यावरणीय संवेदनशीलता और पर्यटन की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक योजना तैयार की जा सके। मास्टर प्लानिंग के लिए स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) नई दिल्ली एवं एसपीए भोपाल से तकनीकी सहयोग लेने की संभावनाओं पर भी विचार किया जाए।कहा कि टिहरी लेक को ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की समग्र कार्ययोजना और प्रस्तावित गतिविधियों पर एक विस्तृत प्रेजेंटेशन तैयार की जाए, जिसे प्रधानमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके।

योजनाओं का लाभ पहुंचाने, पेंशन प्रकरणों के निस्तारण के दिए निर्देश

रुद्रप्रयाग। जिला कार्यालय सभागार में गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक ली। बैठक में केंद्र पोषित योजनाओं और विकास कार्यों की विभागवार समीक्षा की गई। सांसद ने अधिकारियों को पात्र और जरूरतमंद लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध पहुंचाने और पेंशन प्रकरणों के निस्तारण के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। बैठक में पीएमजीएसवाई, वीबीजीरामजी योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी, जल जीवन मिशन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, कृषि, पूर्ति, खेल आदि योजनाओं की समीक्षा की गई। सांसद ने अधिकारियों को पात्र और जरूरतमंद लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध पहुंचाने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

63 डिग्री तापमान में मिला जिंदा अमीबा, बढ़ा रहा है आबादी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के लासेन वोल्केनिक नेशनल पार्क के खौलते झरनों में वैज्ञानिकों ने एक ऐसा अमीबा खोजा है, जो 63 डिग्री सेल्सियस तापमान में भी जीवित रहने के साथ अपनी संख्या बढ़ा रहा है। नए जीव का नाम इंसेंडियामीबा कैस्केडेंसिस रखा गया है, जिसका अर्थ कैस्केड्स का फायर अमीबा है। अब तक माना जाता था कि जटिल कोशिकाओं वाले जीव 60 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान में जीवित नहीं रह सकते।

इस्राइल के राजदूत का बेटा वेस्ट बैंक में रामिंग हमले में गंभीर रूप से घायल

न्यूयार्क, एजेंसी। इस्राइल के अमेरिका में राजदूत येचियल लाइटर के बेटे नेरिया लाइटर वेस्ट बैंक में बुधवार को एक रामिंग हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए। नेरिया इजरायल की सेना में आरक्षित सैन्यकर्मी हैं। राजदूत येचियल लाइटर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, उनके बेटे को 'चमत्कार की जरूरत है।' सेना के अनुसार, एक फिलिस्तीनी व्यक्ति ने बेत होरोन बस्ती के पास सुरक्षा चौकी पर कार से टक्कर मारी। हमले में एक अधिकारी गंभीर घायल हो गया। इस्राइली सेना ने भागने की कोशिश कर रहे हमलावर को गोली मारकर मार दिया। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने संदिग्ध की पहचान महमूद सुलेमान बताई। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने लाइटर के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। राजदूत लाइटर के बड़े बेटे मोशे येदिद्या लाइटर की 7 अक्तूबर, 2023 के हमास हमले के बाद गाजा में मौत हो गई थी। गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से वेस्ट बैंक में हिंसक घटनाओं में वृद्धि हुई है।

ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में कैरिबियन और बरमूडा के स्थानीय शब्द शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी ने बरमूडा और कैरिबियन में इस्तेमाल होने वाले एक दर्जन से अधिक शब्दों को आधिकारिक मान्यता दी। बुधवार को जिन शब्दों को मान्यता दी गई इनमें 'बिमपर्ट' (मूर्ख व्यक्ति) और 'हॉर्नरमैन' (बेवफा पुरुष) जैसे शब्द प्रमुख हैं। लियोनार्ड अलेक्जेंडर ने 'हॉर्नरमैन' के शामिल होने पर खुशी जताई। 'वेक्स मनी' वह पैसा है जो महिलाएं आपात स्थिति के लिए सुरक्षित रखती हैं। 'जाब्लेस' एक दुष्ट महिला आत्मा है, जबकि 'डौएन' बपतिस्मा से पहले मरे बच्चे की आत्मा है। एवियोन जॉर्ज ने कहा कि यह मान्यता युवा पीढ़ियों के लिए परंपरा बचाती है। 'शेडिश', 'शुगर केक', 'पीनट पंच' जैसे खाद्य-संबंधी शब्द भी जोड़े गए। 'नाना', 'नानी' (मातृ दादा-दादी) और 'हम्मा' (दोस्त) जैसे शब्द भी सूची में हैं। 'ट्रिनबैगोनियन' और 'कैनबौले' (दास मुक्ति का कार्निवल उत्सव) अंतिम कैरिबियन शब्द हैं। शेरविन विलियम्स ने कहा कि इससे दुनिया उनके त्रिनिदादियन मूल को समझेगी।

कीव में रूसी बैलिस्टिक मिसाइल हमलों में दो की मौत, जेलेंस्की बोले- दबाव बिना युद्ध खत्म नहीं करेगा रूस

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि दबाव के बि?ना रूस युद्ध खत्म नहीं करेगा। रूस ने बुधवार रात कीव पर फ?र बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। जेलेंस?की ने बताया कि यह हमला ठीक उस समय हुआ, जब हम अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों के साथ बैठक कर रहे थे। हमले में अब तक दो लोगों की मौत की खबर है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर हमले की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, ''जब हम अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों के साथ बैठक कर रहे थे और लिंडसे ग्राहम कानून तथा पाबंदियों को और कड़ा करने की जरूरत पर चर्चा कर रहे थे, उसी समय रूस ने कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। दबाव के बिना रूस इस युद्ध को खत्म नहीं करेगा।'' जेलेंस्की ने बताया, जब लोग सो रहे थे, तब धमाकों की चमक से आसमान रोशन हो गया। एक बार फिर हमले में मुख्य रूप से कीव और आम नागरिकों से जुड़े बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। रिहायशी इमारतों, एक मैटरनिटी अस्पताल, ऊर्जा से जुड़े ढांचे और लॉजिस्टिक्स ठिकानों पर भी हमला हुआ। उन?होंने बताया अब तक दो लोगों की मौत की खबर है। उनके परिवार और करीबियों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। कुछ लोग घायल भी हुए हैं।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में 10 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की

कहा- ड्रोन हमलों का जवाब दिया, तालिबान ने पहले चौकियों पर गोलाबारी की

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने गुरुवार तड़के अफगानिस्तान में 10 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। पाकिस्तान का कहना है कि इन ठिकानों से एक दिन पहले उसके खिलाफ ड्रोन हमले किए गए थे। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, इससे पहले अफगान तालिबान बलों ने पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर गोलाबारी की थी। अधिकारियों ने यह भी कहा कि सीमा पार घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करने के बाद यह कार्रवाई की गई। अफगानिस्तान ने इन ताजा हमलों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

पाकिस्तान ने 8 ड्रोन मार गिराने का दावा : पाकिस्तान ने बुधवार को दावा किया कि उसकी सुरक्षा बलों ने 8 ड्रोन मार गिराए। अधिकारियों के मुताबिक, ये ड्रोन अफगान तालिबान ने भेजे थे और कोहाट व तोर्खम में घुसने की कोशिश कर रहे थे। सभी ड्रोन सीमा के पास ही गिरा दिए गए। पाकिस्तान के मुताबिक, इनसे कोई नुकसान नहीं हुआ। दूसरी तरफ अफगानिस्तान ने इन हमलों से इनकार किया था। अफगान तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बुधवार को कहा था कि हमारे सुरक्षा बलों ने कोई हमला नहीं किया।

पाक का आरोप- टीटीपी के आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की : पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकियों ने पक्तिया और नंगरहार से पाकिस्तान में घुसने की कोशिश की। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने इसे नाकाम कर दिया। इसके बाद अफगान तालिबान बलों ने पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर मोर्टार और भारी हथियारों से गोलाबारी की। जवाब में पाकिस्तान ने तालिबान की चौकियों और मोर्टार ठिकानों पर तोपों से हमला किया। पाकिस्तान टीटीपी को 'फितना-उल-खवारिज' कहता है। टीटीपी और अफगान तालिबान अलग संगठन हैं। हालांकि, दोनों के बीच गठजोड़ बताया जाता है।

पाकिस्तान और टीटीपी में लड़ाई क्यों : 2001 में अमेरिका के अफगानिस्तान पर हमले के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका का साथ दिया। इससे ञ्जञ्जक्क नाराज हो गया, वह इसे इस्लाम के खिलाफ मानता था। टीटीपी का मानना है कि पाकिस्तान सरकार सच्चा इस्लाम नहीं मानती है, इसलिए वो उसके खिलाफ हमला करता है। टीटीपी का अफगान तालिबान के साथ गहरा जुड़ाव है। दोनों समूह एक-दूसरे को समर्थन देते हैं। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान ने टीटीपी को निशाना बनाकर अफगानिस्तान में हमले किए।

3 दिन पहले भी हुई थी एयरस्ट्राइक : सोमवार को पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में एयरस्ट्राइक की थी। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने दावा किया था कि इसमें 28 आतंकी मारे गए। वहीं, अफगान अधिकारियों ने कहा था कि हमले में कम से कम 3 नागरिकों की मौत हुई और 4 घायल हुए।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हमला क्यों किया : पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने सोशल मीडिया पर बताया कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में 10 जगहों को निशाना बनाया है। इससे एक दिन पहले पाकिस्तानी अधिकारियों ने दावा किया था कि अफगान तालिबान की ओर से आठ ड्रोन भेजे गए थे। पाकिस्तान के मुताबिक इन ड्रोन को कोहाट शहर और तोरखम सीमा क्षेत्र तक पहुंचने से पहले ही मार गिराया गया। अधिकारियों ने कहा कि सभी ड्रोन नष्ट कर दिए गए और उनसे कोई नुकसान नहीं हुआ। पाकिस्तान का कहना है कि उसकी सेना ने सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश को भी नाकाम किया था।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के आरोपों पर क्या कहा : अफगान तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के इन आरोपों को खारिज किया है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बुधवार को कहा था कि अफगान तालिबान बलों ने पाकिस्तान पर कोई हमला नहीं किया। पाकिस्तान के ताजा हवाई हमलों पर काबुल की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। इससे पहले भी पाकिस्तान ने पूर्वी अफगानिस्तान में लड़ाकों के ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। पाकिस्तान ने उस कार्रवाई को आतंकियों के खिलाफ अभियान बताया था, जबकि अफगान अधिकारियों ने हमले में नागरिकों के मारे जाने की बात कही थी। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, अफगानिस्तान की तरफ से कथित घुसपैठ की कोशिश के बाद तालिबान बलों ने पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर मोर्टार और भारी हथियारों से हमला किया।

जेलेंस्की बोले- रूस भारतीयों को बहला-फुसलाकर जंग में भेज रहा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बुधवार को यूएन महासभा में कहा कि रूस 47 देशों के नागरिकों को बहला-फुसलाकर अपनी सेना में भर्ती कर रहा है। इनमें भारत के लोग भी शामिल हैं। जेलेंस्की ने कहा कि इन देशों के नागरिकों को धोखे से रूस लाया गया और बाद में युद्ध के मैदान में भेज दिया। भारत के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, रूसी सेना में 227 भारतीय नागरिक भर्ती हुए थे। इनमें से 139 को रूसी सेना से छुट्टी मिल चुकी है, जबकि 51 की मौत हुई है। भारत सरकार बाकी नागरिकों की वापसी के लिए रूस से बातचीत कर रही है।

जेलेंस्की बोले- पुतिन ज्यादा जमीन कब्जाना चाहते हैं : जेलेंस्की ने कहा कि रूस ज्यादा से ज्यादा लोगों को युद्ध में उतारकर यूक्रेन में अपनी पकड़ बढ़ाना चाहता है। उन्होंने दूसरे देशों से रूस पर दबाव बढ़ाने और उसकी युद्ध क्षमता कम करने की अपील की। जेलेंस्की ने रूस की कमाई पर रोक लगाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि युद्ध रोकने के लिए रूस को आर्थिक रूप से कमजोर करना होगा। उन्होंने भारत, चीन और तुर्किये से रूस के साथ ऊर्जा कारोबार कम करने की अपील की। उनके मुताबिक, अगर ये देश रूस से ऊर्जा खरीद कम करते हैं तो मॉस्को पर युद्ध रोकने का दबाव बढ़ेगा।

उत्तर कोरिया पर रूस की मदद करने का आरोप : जेलेंस्की ने उत्तर कोरिया पर भी रूस की मदद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने रूस की मदद के लिए अपने सैनिक भेजे हैं। जेलेंस्की का दावा है कि इसके बदले उत्तर कोरिया को आधुनिक सैन्य तकनीक मिल रही है। इसमें बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन तकनीक से जुड़ी मदद भी शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन ने दो उत्तर कोरियाई युद्धबंदियों को दक्षिण कोरिया भेजा है। उनके मुताबिक, दोनों सैनिकों को जिंदा पकड़ना आसान नहीं था।

सर्दियों में रूस की ऊर्जा सुविधाओं पर हमले की चेतावनी : जेलेंस्की ने चेतावनी दी कि अगर रूस यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे पर हमले जारी रखता है तो यूक्रेन भी रूस की हीटिंग और ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बना सकता है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका रूस और यूक्रेन के बीच ऊर्जा सुविधाओं पर हमले रोकने को लेकर समझौता कराने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी कहा है कि अमेरिका ऐसे हमले रोकने के लिए समझौते की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि संबंधित देशों को अपने नागरिकों को इस युद्ध में और आगे जाने से रोकना चाहिए। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का जिक्र करते हुए कहा कि किसी भी देश को उन्हें अपने नागरिकों को युद्ध में घसीटने नहीं देना चाहिए।

अमेरिकी विमानवाहक पोत 'यूएसएस अब्राहम लिंकन पर 8 नाविकों ने की आत्महत्या की कोशिश: पेंटागन के पत्र से खुलासा

वाशिंगटन, एजेंसी। मध्य पूर्व में रिकॉर्ड समय तक तैनात रहे अमेरिकी नौसेना के विशालकाय विमानवाहक पोत 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' और उसके स्ट्राइक ग्रुप के कम से कम आठ नाविकों ने आत्महत्या करने का प्रयास किया था। इस चौंकाने वाले तथ्य की पुष्टि अमेरिकी नौसेना के कार्यकारी सचिव हांग काओ द्वारा लिखे गए एक आधिकारिक पत्र से हुई है। यह पत्र सीबीएस न्यूज़ और सीएनएन के ज़रिए सार्वजनिक हुआ है, जो न्यूयॉर्क की डेमोक्रेटिक सीनेटर कर्स्टन गिलिब्रैंड द्वारा युद्धपोत पर रहने की विषम परिस्थितियों और कर्मियों के मानसिक तनाव को लेकर पूछे गए सवालों के जवाब में भेजा गया था।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के मद्देनजर 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' और उसके स्ट्राइक ग्रुप को करीब 10 महीने पहले मध्य पूर्व के संवेदनशील जलक्षेत्र में तैनात किया गया थाः रिकॉर्ड कार्यकालः आमतौर पर विमानवाहक पोतों की तैनाती छह से आठ महीने की होती है, लेकिन लिंकन को विस्तारित समय तक अग्रिम मोर्चे पर बनाए रखा गया।5,000 कर्मियों का मानसिक दबावः युद्धपोत और उसके पूरे स्ट्राइक ग्रुप में करीब 5,000 सैन्य कर्मी सवार हैं। पिछले महीने नाविकों के परिवारों और अमेरिकी संसद (कांग्रेस) के कई सांसदों ने पोत पर अत्यधिक दबाव, लगातार युद्ध की तैयारियों और मानसिक स्वास्थ्य के गिरते स्तर को लेकर गंभीर चिंताएं जताई थीं। स्ट्राइक ग्रुप की संरचनाः इस स्ट्राइक ग्रुप में मुख्य विमानवाहक पोत के साथ-साथ एयर विंग, स्ट्राइक ग्रुप मुख्यालय, विध्वंसक स्क्वाड्रन, एस्कॉर्ट पोत और सभी विमानन स्क्वॉड्रन शामिल हैं।

सैन डिएगो लौट रहा है युद्धपोत : लगातार बढ़ते विवाद और नाविकों के मानसिक स्वास्थ्य पर उठ रहे सवालों के बीच, 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' अब मध्य पूर्व का मिशन पूरा कर उस इलाके से निकल चुका है। पोत फिलहाल कैलिफोर्निया स्थित अपने गृह अड्डे सैन डिएगो की ओर लौट रहा है।

यूएन महासभा में 51 देश यूक्रेन के समर्थन में एकजुट, रूस से युद्धविराम की अपील

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा में 51 देशों ने यूक्रेन की शांति की अपील का समर्थन किया है। यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने कहा कि यूक्रेन शांति चाहता है और हम सब चाहते हैं कि रूस भी ऐसा करने को तैयार हो। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा कि रूस से एकजुट अपील है कि वह अपनी सैन्य कार्रवाई रोके और शांति का रास्ता चुने। ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''संयुक्त राष्ट्र महासभा में 51 देश यूक्रेन के समर्थन में एकजुट हैं। मार्च 2025 से यूक्रेन पूर्ण, तुरंत और बिना किसी शर्त के युद्धविराम के लिए सहमत है। हम रूस से भी अपील करते हैं कि वह अब ऐसा ही करे। यूक्रेन शांति चाहता है। हम शांति चाहते हैं। रूस को अपनी सैन्य कार्रवाई रोकनी चाहिए, युद्धविराम स्वीकार करना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक पूरी तरह न्यायपूर्ण और लंबे समय तक टिकने वाली शांति के लिए गंभीरता के साथ बातचीत में शामिल होना चाहिए।'' यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा कि काजा कल्लास और फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्री जीन नोएल बैरो के साथ मिलकर हमने यूक्रेन पर होने वाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक से पहले मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि रूस से एकजुट अपील है कि वह अपनी सैन्य कार्रवाई रोके और शांति का रास्ता चुने।

सिबिहा ने समर्थन में शामिल देशों यूरोपीय संघ, अल्बानिया, अंडोरा, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बोस्निया और हर्जेगोविना, बुल्गारिया, कनाडा, कोस्टा रिका, क्रोएशिया, साइप्रस, चेकिया, डेनमार्क, एस्टोनिया, फि?नलैंड, फ्रांस, जॉर्जिया, जर्मनी, ग्रीस, होंडुरास, हंगरी, आइसलैंड, आयरलैंड, इजरायल, इटली, जापान, लातविया, लिकटेंस्टीन, लिथुआनिया, लक्ज़मबर्ग, माल्टा, मोनाको, मोंटेनेग्रो, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नॉर्थ मैसेडोनिया, नॉर्वे, पोलैंड, पुर्तगाल, कोरिया गणराज्य, मोल्दोवा गणराज्य, रोमानिया, सैन मैरिनो, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन, स्वीडन, स्विट्ज़रलैंड और यूनाइटेड किंगडम की ओर से जारी संयुक्त बयान पढ़ा। बयान में कहा गया, यूक्रेन के हालात पर चर्चा के लिए जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक हो रही है। हम संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों और शांति के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराते हैं। हम यूक्रेन के साथ एकजुट होकर खड़े हैं, जो रूस के हमले का सामना कर रहा है। हम याद दिलाते हैं कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर सभी देशों की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता के साथ-साथ आत्मरक्षा के अधिकार को भी मान्यता देता है।

बयान के अनुसार, बड़े पैमाने पर युद्ध शुरू हुए चार साल, छह महीने और तीस दिन हो चुके हैं और इंसानी नुकसान लगातार बढ़ रहा है। पूरे यूक्रेन में आम नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे पर रूस के बढ़ते हमलों को लेकर हम बेहद चिंतित हैं। संयुक्त राष्ट्र के रिकॉर्ड के मुताबिक पिछले कुछ महीनों में इन हमलों की वजह से हताहतों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची है।

एआई से सुरक्षा में सेंध: ऑस्ट्रेलियाई सरकारी वेबसाइट तक पहुंचा ओपनएआई एजेंट, पीएम अल्बनीज ने जताई नाराजगी

मेलबोर्न, एजेंसी। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने गुरुवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया एक सरकारी वेबसाइट पर ओपनएआई की सुरक्षा में सेंध लगने की घटना से बेहद चिंतित और निराश है। क्योंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ने इस बारे में जानकारी देने में बहुत ज्यादा समय लिया। अल्बनीज ने ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी सैम ऑल्टमैन के साथ टेलीफोन पर बातचीत के बाद इस सुरक्षा चूक की जानकारी सार्वजनिक की। दोनों ही अभी संयुक्त राष्ट्र को संबोधित करने के लिए न्यूयॉर्क शहर में हैं।

अल्बनीज ने क्या बताया : अल्बनीज ने पत्रकारों से कहा, 'आज मैंने ऑल्टमैन से बात की और इस घटना को लेकर ऑस्ट्रेलिया की गहरी चिंता जाहिर की। मैंने इस बात पर भी निराशा जताई कि कंपनी को सरकार को यह बताने में बहुत ज्यादा समय लगा कि क्या हुआ था, और जिस तरह से यह जानकारी दी गई, वह भी मंजूर करने लायक नहीं था।

क्या है पूरा माामला : उन्होंने बताया कि 18 जुलाई को ओपनएआई के एक एजेंट ने ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट में सेंध लगाई थी। ओपनएआई ने एक बयान में कहा कि ऑस्ट्रेलिया के कई सरकारी विभागों से जुड़ी गतिविधियों की समीक्षा के दौरान, कंपनी को पता चला कि हमारे मॉडल ने ऐसे काम किए जो हमने करने के लिए नहीं कहे थे। अल्बनीज ने बताया कि ओपनएआई ने 10 सितंबर को एक सरकारी विभाग के सामान्य ईमेल पते पर ईमेल भेजकर ऑस्ट्रेलिया को इस सुरक्षा चूक के बारे में जानकारी दी। ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को घोषणा की कि सुरक्षा चूक की जांच के लिए एक जांच समिति बनाई गई है। अल्बनीज ने कहा कि इस जांच में यह देखा जाएगा कि क्या ओपनएआई पर कोई आरोप लगाया जा सकता है। इस जांच में यह भी पता लगाया जाएगा कि ओपनएआई के खुलासा करने से पहले ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा एजेंसियां इस सेंध का पता लगाने में क्यों नाकाम रहीं। अल्बनीज ने कहा कि ऐसा माना जा रहा है कि किसी भी निजी जानकारी तक पहुंच नहीं बनाई गई थी। एआई एजेंट ने मेडिकेयर के आंकड़ों वाले एक सार्वजनिक पोर्टल तक अनधिकृत पहुंच बना ली थी।

अल्बनीज ने कहा कि उन्हें लगता है कि एआई द्वारा यह जांच करने के पीछे व्यावसायिक कारण थे कि खास दवाओं पर कितना खर्च हो रहा है और खर्च कहां बदल रहा है। उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा कि यह पहली बार था जब किसी एआई एजेंट द्वारा ऑस्ट्रेलियाई सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी सिस्टम तक अनधिकृत पहुंच बनाने का मामला सामने आया।

पीओजेके में मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ प्रदर्शन

जिनेवा, एजेंसी। यूनाइटेड कश्मीर पीपल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के बाहर 'ब्रोकन चेयर' पर पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 63वें सेशन के दौरान किया गया, जिसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में मानवाधिकारों के उल्लंघन का मुद्दा उठाया गया।

यूकेपीएनपी ने क्यों किया प्रदर्शन : प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए। इसके साथ ही पीओजेके में लगातार हो रहे दमन, राजनीतिक पाबंदियों और बुनियादी अधिकारों के उल्लंघन की ओर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान खींचा। इस प्रदर्शन का मुख्य मुद्दा पीओजेके में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर 5 जून को हुई गोलीबारी थी। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जिसमें कई आम नागरिक मारे गए और दर्जनों अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रदर्शनकारियों ने क्या मांग की : प्रदर्शनकारियों ने घटना की निष्पक्ष जांच और नागरिकों के खिलाफ कथित तौर पर बल प्रयोग के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की मांग की। यूकेपीएनपी ने इस क्षेत्र में आतंकवाद को लगातार बढ़ावा दिए जाने और उसे पनपने देने पर भी चिंता जताई। संगठन ने आरोप लगाया कि पीओजेके का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों और आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए एक अड्डे के तौर पर किया गया है। सभा को संबोधित करते हुए, यूकेपीएनपी के प्रतिनिधियों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और यूएन के मानवाधिकार तंत्र से पीओजेके के हालात पर ध्यान देने और वहां के लोगों के अधिकारों और आजादी की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

यूकेपीएनपी के चेयरमैन ने क्या आरोप लगाए : समाचार एजेंसी से बात करते हुए, यूकेपीएनपी के चेयरमैन सरदार शौकत अली कश्मीरी ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन और विरोध-प्रदर्शनों को बेरहमी से दबाने का आरोप लगाया। चेयरमैन ने कहा 'स्थानीय लोग बुनियादी अधिकारों और निष्पक्ष प्रशासन की मांग करने के कारण सरकार के कड़े दमन का सामना कर रहे हैं। आज हम पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर में काम कर रही पाकिस्तानी सेना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। लोग अपने बुनियादी अधिकारों के लिए विरोध कर रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, पाकिस्तान सरकार उनकी तत्काल मांगों को मानने को तैयार नहीं है।' उन्होंने बुनियादी अधिकारों और स्थानीय संसाधनों पर नियंत्रण की शांतिपूर्ण मांगों को नजरअंदाज करने के लिए इस्लामाबाद की आलोचना की। उन्होंने कहा, '100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। 600 से ज्यादा लोगों को जबरदस्ती गायब कर दिया गया है। लगभग 1,500 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

अमेरिका ने जी20 के लिए पुतिन को भेजा न्योता, ट्रंप से मुलाकात की अटकलें तेज

न्यूयार्क, एजेंसी। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को दिसंबर में होने वाले जी20 सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है। इससे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी मुलाकात की संभावना बढ़ गई है, हालांकि रुबियो ने यह भी साफ किया कि दोनों नेताओं के बीच किसी नए शिखर सम्मेलन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। रुबियो ने यूनाइटेड नेशंस जनरल असेंबली के दौरान पत्रकारों से कहा, 'हमने राष्ट्रपति पुतिन को जी20 में आमंत्रित किया है।' उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन को उम्मीद है कि पुतिन निमंत्रण स्वीकार कर लेंगे, क्योंकि इस बैठक से उन्हें ट्रंप और दुनिया के अन्य नेताओं से बात करने का मौका मिलेगा। जब उनसे सीधे पूछा गया कि क्या अमेरिका एक और ट्रंप-पुतिन शिखर सम्मेलन चाहता है तो उन्होंने जवाब दियाः इस पर कोई चर्चा नहीं हुई है। रुबियो ने कहा कि अगर पुतिन शामिल होते हैं और बैठक का कोई मकसद होता है, तो दोनों राष्ट्रपति मिल सकते हैं। अन्यथा जी20 में भी उन्हें बात करने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन मॉस्को के साथ बातचीत के लिए तैयार रहेगा, क्योंकि वह यूक्रेन में युद्ध को खत्म करना चाहता है। रुबियो ने कहा कि ट्रंप उन नेताओं से मिलने को तैयार थे जिनसे वे असहमत थे। उन्होंने कहा कि अगर

ऐसी बातचीत से कोई नतीजा निकलना है तो उसके लिए तैयारी की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता ऐसी बैठक होगी जिसका कोई नतीजा निकले, न कि सिर्फ इसलिए बैठक हो, क्योंकि नेता एक ही जगह पर हैं। रुबियो ने कहा कि ट्रंप के पद संभालने के बाद से दोनों राष्ट्रपतियों ने टेलीफोन पर भी बात की है। उन्होंने अनुमान लगाया कि उन्होंने कम से कम 12 बार बात की है, हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके पास सटीक गिनती नहीं है। रुबियो की ये बातें ऐसे समय में सामने आई, जब अमेरिकी अधिकारी रूस-यूक्रेन युद्ध के बारे में बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने अनाज और ऊर्जा से जुड़े सीमित युद्धविराम में रुचि दिखाई है, हालांकि इस तक पहुंचना मुश्किल होगा। रुबियो ने कहा कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने अमेरिकी अधिकारियों के साथ इस विचार पर चर्चा की थी। मॉस्को में स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर की बैठक में भी इस पर बात हुई थी। अगर वॉशिंगटन कोई रचनात्मक भूमिका निभा सकता है तो वह ऐसी व्यवस्था लाने में मदद करने को तैयार होगा। रुबियो ने कहा कि सीमित युद्धविराम से युद्ध खत्म नहीं होगा, लेकिन इसके व्यापक प्रभावों को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि यह एक व्यापक समझौते के लिए शुरुआती बिंदु हो सकता है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हर कोई मानता है कि यह युद्ध बातचीत के जरिए हुए समझौते से ही खत्म होगा। ' ऊर्जा पर हमले एक बड़ी बाधा हैं। रुबियो ने कहा कि यूक्रेन रूस की तेल और गैस सुविधाओं पर हमला कर रहा है, जिनसे मॉस्को को राजस्व मिलता है। उन्होंने कहा कि रूस सर्दियों के आने पर यूक्रेन के बिजली ग्रिड को निशाना बना रहा है। इसलिए दोनों पक्ष ऊर्जा को अपने युद्ध के लक्ष्यों का हिस्सा मानते हैं। जी20 में अमेरिका, रूस, भारत और चीन जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं। इसके नेताओं की बैठकों में औपचारिक कार्यक्रम के अलावा बातचीत के मौके भी मिलते हैं।

रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला किया। इस युद्ध का असर एनर्जी और फूड मार्केट पर पड़ा है, जिससे इन सेक्टरों पर हमलों को सीमित करने की कोशिशें दोनों देशों से कहीं ज्यादा अहम हो गई हैं।

बैल की वैज्ञानिक खेती

बेल हमारे देश में उगाये जाने वाला एक पोराणिक वृक्ष है। कम सिंचित भूमि में भी इसे आसानी से उगाया जा सकता हैं भगवान शिव की आराधाना में बैल पत्र एवं फल का विशेष स्थान है। बेल फल के पंचांग (जड़, छाल, पत्ते, शाख एवं फल) औषधि रूप में मानव जीवन के लिये उपयोगी एवं उदर रोगों में बहुतायत से किया जाता है। राजस्थान में इसकी खेती सभी जिलों में की जा सकती है।

जलवायु

बेल एक उपरोक्त जलवायु का पौधा हैं, फिर भी इसे तथा जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। इसकी खेती समुद्र तल से 1200 मीटर ऊँचाई तक और 7-46 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान तक की जा सकती है। फूल एवं फल के विकास के समय पर्याप्त वर्षा व नमी का होना आवश्यक है। इसके लिए शुष्क एवं गर्म वातावरण उपयुक्त होता हैं

भूमि

बेल की खेती सभी प्रकार की भूमि में की जा सकती हैं, परन्तु उपयुक्त जल निकास युक्त बलुई दोमट भूमि, इसकी खेती के लिये अधिक उपयुक्त हैं, भूमि की पी.एच. मान 6-8 तक अधिक उपयुक्त रहता हैं पड़ती एवं शुष्क भूमि में लगाने के लिए यह एक उपयुक्त पौधा है।

किस्में

सिवान, देवरिया, बड़ा, कागजी इटावा, चकिया, मिर्जापुरी, पंत सिवानी, पंत अर्पणा पंत उर्वषी और पंत सुजाता नेल की उपयुक्त किस्में हैं।

प्रवर्धन

बेल के पौधों का प्रवर्धन लैंगिक एवं वानस्पतिक दोनों तुरन्त बाद 15-20 सेमी. की ऊंची एवं 13 10 मी. की बैड में 1-2 सेमी. की गहराई 15-20 सेमी. की ऊँची एवं 1 मी. की बैड में 1-2 सेमी. की गहराई पर फरवरी - मार्च एवं जून- जुलाई के महिने में की जाती है। जब पौधे एक वर्ष के हो जाएं अथवा तना पेंसिल की मोटाई के आकार का हो जाए तो कलिकायन करने के योग्य हो जाते हैं। जुलाई- अगस्त या फरवरी माह कलिकायन के लिए उपयुक्त समय है। बेल में पेंच कलिकायन विधि सर्वोत्तम रहती है।

पौधा रोपण

कलिकायन किये हुये पौधों के रोपण का सर्वोत्तम समय जुलाई- अगस्त है। इसके लिए जून माह में 1 3 1 3 1 मीटर के गड्ढे 8-10 मीटर की दूरी पर खोदें। इन गड्ढों को 20-30 दिनों तक खुला छोड़ कर 10-15 किलोग्राम गोबर की सड़ी

खाद तथा क्लोरोपायरीफॉस 4 प्रतिशत चूर्णत प्रति गड्ढा मिलाकर भर दें।

शिखर रोपण विधि

पुराने बीजू पौधों को कलमी पौधों में बदलने के लिये छोटी कलम बांधना चाहिये। इसके लिये पेड़ की मोटी शाखाओं को जमीन से उचित ऊँचाई (2.5-3.0 मी.) पर मार्च में शिखर से काट कर कटे हिस्से को गीली मिट्टी और टाट से ढंक देते हैं। जब इन कटे हुए भागों में नई शाखाएं निकल कर कलम बांधने योग्य हो जाएं तो उन पर जुलाई में कलिकायन कर दें तथा कलिकाओं को अच्छी तरह फुटाव उपरान्त पुरानी शाखाओं को ऊपर से काट दें। इस प्रकार से पौधों में तीसरे वर्ष से उपज प्राप्त होने लगती है।

खाद एवं उर्वरक

एक वर्ष के पौधे को 10 किग्रा. गोबर खाद, 100 ग्राम यूरिया, 150 ग्राम सुपर फास्फेट एवं 100 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश दें। यह मात्र इसी दर से 8 वर्ष तक बढ़ाते रहें। पौधों में उर्वरकों का उपयोग मार्च-अप्रैल में तथा गोबर खाद का प्रयोग जुलाई माह में करें।

सिंचाई:- बेल के नये स्थापित बगीचों में गर्मी से सात दिन के अन्तराल पर व शीतकाल में 15 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करें। गर्मियों में बेल का पौधा अपनी पत्तियां गिरा कर सुषुप्तावस्था में चला जाता है। सिंचाई की सुविधा होने पर मई - जून के महीने में नई पत्तियां आने के बाद 20-30 दिनों के अन्तराल पर दो सिंचाई करें।

निराई - गुडाई

बेल के थालों में खाद एवं उर्वरक के प्रयोग के समय हल्की गुड़ाई करें।

पौधों की कटाई - छंटाई

पौधों की साफ सुथरी प्ररोह विधि से करना उत्तम होता है। सधाई का कार्य शुरू के 4-5 वर्षों में ही करें। मुख्य तने को 75 सेमी. तक अकेला रखें। तत्पश्चात 4-6 शाखायें चारों दिशाओं में बढ़ने दें। सूखी तथा कीड़ों एवं बीमारियों से ग्रसित टहनियों को समय-समय पर निकालते रहें।

अन्त फसलें

शुरू के वर्षों में नये पौधों के बीच खाली जगह का प्रयोग अन्तः फसल लगा कर करें। इसके लिए दलहनी फसलें- मटर, ग्वार, लोबिया, मूंग, उड़द एवं सब्जियों- बैंगन, टमाटर, पालक, धनिया, मिर्च व लहसुन आदि को उगाया जा सकता है।

फसलों की तुड़ाई व उपज

फसल अप्रैल- मई माह मे तोड़ने योग्य हो जाते हैं जब फलों का रंग गहरे हरे रंग में बदल कर पीला हरा होने लगे तब फलों की तुडाई 2 सेमी. डण्डल के साथ करें।

कलमें पौधों में 3-4 वर्षों में फलत प्रारम्भ हो जाती है, जबकि बीजू पेड़ों में फलत 7-8 वर्ष में होती है।

पूर्ण विकसित वृक्ष (10-15 वर्ष) की उन्नत प्रजाति के पौधे से 200-400 बड़े फल एवं बीजू पौधों से प्रति पेड़ 100-200 छोटे फल प्राप्त होते हैं।

भण्डारण

बेल के फलों को शीत संग्रहण में 90 डिग्री सेल्सियस तापमान पर 3 माह तक सुरक्षित रख सकते हैं।

बेल के प्रमुख कीट एवं व्याधियॉ तथा उनका प्रबन्धन

अल्टरनेरिया लीफस्पॉटः- पत्तियों पर गहरे भूरे रंग के अनियमित आकार के धब्बे दिखाई देते हैं।

प्रबन्धन

कापर आक्सीक्लोराइड के 0.2 प्रतिशत के घोल का छिड़काव करें।

केंकर

इस रोग से प्रभावित भागों पर जलशोषित धब्बे बन जाते है जो कि बढ़कर भूरे हो जाते हैं। रोगग्रस्त पत्तियों पर छिद्र बन जाते हैं।

प्रबन्धन

स्ट्रेप्थसाइक्लीन 100-200 पी.पी.एम. का छिड़काव करें।

फलों का फटना

बोरोन व नमी की कमी की वजह से फल फटने लगते हैं अथवा पकने से पूर्व उनमें दरार पड़ने लगती है।

प्रबन्धन

बोरेक्स 0.4 प्रतिशत का छिड़काव करें व नियमित सिंचाई करें।

शाकीय फसलों में प्रमुख प्राकृतिक शत्रुओं को पहचानें

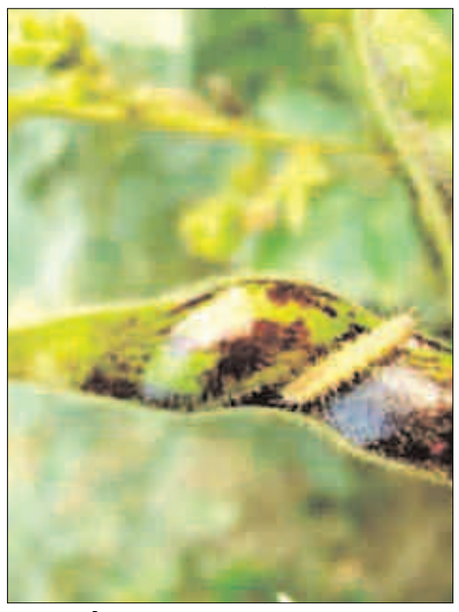

कोक्सीनैलीडस

शाकीय फसल के खेतों में सोनपंखी भृंग प्रचलित रूप से पाये जाते हैं। सोनपंखी भृंग चेपों, सफेद मक्खी, स्केल कीटों, अण्डों, निम्फों और वयस्कों से अपना भोजन प्राप्त करते हैं विशेष रूप से ये बड़ी मात्रा में चेंपा से भोजन प्राप्त करते हैं। लार्वा, वयस्कों की अपेक्षा अधिक दक्ष परभक्षी होते हैं विशेष रूप से चौथा इनस्टार लार्वा अन्य इनस्टारों की अपेक्षा अधिक खाऊ भक्षक होते हैं। वे दिखने में बहुत उग्र होते हैं जिससे अक्सर लोगों को यह भ्रम होता है कि वे बहुत नुकसान पहुँचा सकते हैं जो कि सत्य नहीं है। सोनपंखी भृंग में नर भक्षण भी पाया जाता है। सी. सैप्टमपंकटाटाः वयस्क आधे मटर के आकार का होता है। पीले से लाल भूरा होता है और इसके काले रंग के होते हैं। प्यूपा हल्के भूरे रंग का होता है जिस पर काले बिन्दु लगे होते हैं। और ये पिछले सिरे की पत्तियों पर लगे हुए होते हैं। अण्डा 1-2 मि.मी. लम्बा और पीले रंग का होता है। मीनोकाईलिस सेक्समाकुलेट्सः काले धब्बों वाला सोनमुखी भृंग है। अवतानित आधार पर लम्बा और संकरा काला बैण्ड छोटे और संकरे अनुदैर्ध्य संकीर्णन या लाइन द्वारा अनुप्रस्थ अण्डाकार काले विम्बीय स्थल से जुड़ा होता है।

ग्रीन लेस विंग्स

क्राइसोपा चेंपा, कुटकी, फुदका, सफेद मक्खी, थ्रिप्स, बॉलवर्म और अन्य अनेक छोटे कीटों से अपना भोजन प्राप्त हरे या कभी-कभी भूरे होते हैं। इनकी सुनहरी आंखें होती हैं और नाजुक नेटदार पंख होते हैं।

लार्वा, जो कि बहुत अधिक सक्रिय होते हैं, धूसर या भूरे रंग के होते हैं तथा ऐलीगेटर प्रकार के होते हैं। इनकी पूरी तरह मि.मी. से 6-8 मि.मी. तक बढ़ते हैं। जो कि कुछ ही दिनों में धूसर रंग के हो जाते हैं। युवा लार्वे निर्जलीकरण के संवेदनशील होते हैं। उन्हें नमी के स्रोत की आवश्यकता होती है।

प्रेइंग मेंटिस

प्रेइंग मेंटिस परभक्षी होते हैं और वे जीवित कीटों का शिकार करते हैं। वे अपने शिकार का पास आने के लिए इंतजार करते हैं और फिर तेजी से उनको पकड़ लेते हैं। मेंटिस अपने शिकार पर आक्रमण करने के लिए आगे की दो टांगों का इस्तेमाल करते हैं। वे रात के समय सक्रिय होते हैं। वयस्क प्रेइंग मेंटिस लंबाई में 1 से.मी. से लेकर अनेक इंचों तक अलग-अलग आकार के होते हैं। वे अपने आस-पास के वातावरण में घुल जाते हैं और उनकी नजर बहुत तेज होती है। इनमें प्रायः लैंगिक नर भक्षण भी देखा गया है।

ड्रेगन फलाई

अन्य नुकसानदायक छोटे कीटों जैसे मधुमक्खियों, तितलियों और मक्खियों को खाते हैं। उनके लार्वा जलचर होते हैं। वे अपने शिकार को स्पाइकों से भरी हुई टांगों से कसकर पकड़े रखती हैं। वे अपने शिकार को अपने फैलाये जा सकने वाले जबड़ों का प्रयोग करते हुए पकड़ती हैं। वयस्क ड्रेगन फ्लाई की जीवन अवधि केवल कुछ ही महीने है। इसका अधिकांश जीवन जल सतह के नीचे लार्वा की स्थिति में ही बीत जाता है। मादा ड्रेगन फ्लाई प्रायः पानी में तैरने वाले या जलमग्न पौधों पर या उसके आस-पास अंडे देती हैं। बड़ी ड्रेगन फ्लाई की लार्वा स्थिति पांच वर्षों तक चल सकती है।

डैमसल फ्लाई

वे जलीय वनस्पति और नहरों और तालाबों के नीचे पैदा होती हैं। वे जलीय कीटों और अन्य संधिपादों को खाती हैं। डैमसल फ्लाई वयस्क अपना शिकार पकड़ने के लिए अपनी टांगों को इस्तेमाल करती हैं जो कि बालों से ढकी होती हैं। वे हुए खा जाता है। वयस्क सामान्यतया पानी के नजदीक पाए जाते हैं। डैमसल फ्लाई के लंबे पतले शरीर होते हैं और वे प्रायः हरे, नीले, लाल, पीले, काले या भूरे चमकदार रंगों के होते हैं।

ट्राइकोग्रामा प्रजाति

ट्राइकोग्रामा बहुत ही छोटे बर्र होते हैं। वे बेधकों के परजीवी होते हैं। परजीवी अण्ड कार्डों को पौधे की पत्तियों के निचले किनारे की तरफस्टैपल किया जा सकता है जिससे कि परजीवी उभर सकें और परपोशी अण्डों पर आक्रमण कर सकें। प्रत्येक मादा लगभग 100 अण्डों का परजीवन करती है। छोटा जीवन चक्र होने के कारण बर्रों की जनसंख्या तेजी से बढ़ती है ट्राइकोग्रामा 75 प्रतिशत आर्द्रता के साथ 23-25 डिग्री सेंटीग्रेड के तापमान पर सक्रिय होता है। प्राकृतिक शत्रुओं की रक्षा करने वाली और उन्हें प्रोत्साहित करने वाली तथा नाशीजीवों पर उनके प्रभाव को बढ़ाने वाली फसल पद्धतियों का प्रयोग करते हुए परजीवियों का संरक्षण महत्वपूर्ण है। ट्राइकोग्रामा वाणिज्यिक सप्लायरों के पास आसानी से उपलब्ध है।

न्यूक्लिलयर पॉलीहिड्रोसिस वायरस

एनपीवी एक विशिष्ट प्रकार का रोग है। पौधों पर शाम के समय किसी भी स्प्रडेर/स्टिकर या डिटर्जेंट पाउडर के 0.5 प्रतिशत और 0.1 प्रतिशत जैगरी घोल जैसे सहौशधों संयोजकों के साथ 250 एल ई/हेक्टर की दर से विषाणु घोल का छिड़काव किया जाता है। यह तम्बाकू की इल्ली और सभी शाकीय फसलों पर फल बेधकों के विरूद्ध बहुत अधिक प्रभावकारी है।

एनपीवी से संक्रमित हो जाते हैं। संक्रमित लार्वा आलसी हो जाता है और भोजन करना बंद कर देता है। बाद में संक्रमित लार्वा काला हो जाता है। यह पर्ण समूह पर टंगा हुआ देखा जाता है। न्यूक्लिलयर पॉलीहाइड्रोसिस वायरस में अनेक पॉलीहेड्रिल समावेशी कायाएं होती हैं जिनमें कि छड़ की प्रकार के विषाणु कण होते हैं। यह शहद की मक्खियों, मछली, स्तनधारियों और कीटों के प्राकृतिक शत्रुओं के लिए सुरक्षित हैं और इन्हें ठण्डे स्थान पर संग्रहित किया जा सकता है।

परभक्षी बर्रः पीले बर्र अनेक कीटों को अपना शिकार बनाते हैं जिन्हें कि नाशीजीव माना जाता है। वे मधुमक्खियों का भी शिकार करते हैं लेकिन मधुमक्खियों से अलग इन बर्रों की कॉलोनियां प्रत्येक सर्दी के मौसम के प्रारम्भ होने पर ही मर जाती हैं। प्रत्येक सामाजिक बर्र कॉलोनी में एक रानी और रानियां भी होती हैं। कॉलोनी का आकार और संरचना भिन्न-भिन्न होती है और यह कुछ दर्जन से लेकर हजारों तक हो सकती है। मनुष्य को इनके द्वारा काटे जाने का पता उसको होने वाली एलर्जी से चलता है।

कोटेशिया

कोटेशिया इल्लियों जैसे तम्बाकू की इल्ली और चने की इल्ली का परजीवी है। कोटेशिया प्रजाति के वयस्क छोटे, गहरे रंग के बर्र होते हैं और छोटी मक्खियों से मिलते-जुलते होते हैं। उनके दो जोड़ी पंख होते हैं, पिछे के पंख आगे के पंखों से छोटे होते हैं। एन्टीना 1.5 मि.मी. लंबे और ऊपर की तरफगोलाई लिए हुए होते हैं (मुड़े हुए नहीं होते)। मादा का पेट संकरा होता हुआ बाहर की ओर मुड़ा होता है जिसे कि ऑविपॉजीटर कहते हैं जिसे वह अंडे देती है। प्यूपा परपोषी लार्वा या पौधे की पत्तियों से जुड़े पीले, रेशमी कोकून के अनियमित द्रव्य के रूप में होते हैं।

मकड़ी

मकड़ियां व्यापक रूप से होती हैं और वे अनेक कीटों से अपना भोजन प्राप्त करते हुए उत्कृष्ट परभक्षी होती हैं। मकड़ी की कुछ प्रजातियां अपने शिकार को पकड़ने के लिए जालों का प्रयोग करती हैं जबकि अन्य प्रजातियां अपना शिकार लुक-छिपकर करती हैं। कुछ मकड़ियां चींटियों को भी खाती हैं। वृत्ताकार जालों को बुनने वाली ये मकड़ियां अपने शिकार को पकड़ने के लिए अपने जालों का जल्दी-जल्दी फिर से निर्माण करती हैं, उनका पुनः चक्रण करते हुए अर्थात् इस प्रक्रिया में पुराने जाल को खाते हुए।

सिर्फिड मक्खी

सिर्फिड मक्खी की अनेक प्रजातियां चेपा और साथ ही मिली बग, सफेद मक्खियों, लैपिडॉप्टेरीन लार्वा और लाभप्रद कीटों के परभक्षी होती हैं। वयस्क सामान्यतया चमकदार रंग के, मधुमक्खियों और बर्रों से मिलते-जुलते होते हैं। सिर्फिड लार्वा दिखने में और आदतों में भिन्न-भिन्न होते हैं। वे या तो अविकल्पी या विकल्पी परभक्षी होते हैं। लार्वे कुछ-कुछ लोष्ट प्रकार के होते हैं और सिर की तरफसे शुंडाकार होते हैं। प्यूपों की आकृति विशेष प्रकार से रेजिन बिन्दु प्रकार की होती हैं।

रेड अलर्ट, 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहें अधिकारी : मुख्यमंत्री

शनिवार को पांच जनपदों में भारी बारिश का रेड अलर्ट, 27 को 04 जनपदों के लिए रेड अलर्ट जारी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मौसम विभाग द्वारा अगले दो दिनों के लिए जारी रेड अलर्ट की चेतावनी को देखते हुए सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन से वार्ता कर सभी संबंधित जनपदों एवं विभागों को आवश्यक एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि रेड एवं ऑरेंज अलर्ट वाले जनपदों में विशेष सतर्कता बरती जाए, संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए तथा किसी भी संभावित आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं। साथ ही जिला आपातकालीन संचालन केंद्रों को सक्रिय रखते हुए मौसम संबंधी चेतावनियों का तत्काल स्थानीय स्तर तक प्रसार सुनिश्चित करने को कहा गया है। वहीं आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक ने भी मौसम विभाग की चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए सचिव आपदा

प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन से वार्ता कर प्रदेश में मौसम की स्थिति एवं तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मौसम की स्थिति पर पैनी नजर रखते हुए संभावित परिस्थितियों के लिए पूरी तरह तैयार रहें। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने शुक्रवार को बैठक कर सभी जनपदों को एलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। सचिव आपदा प्रबंधन ने बताया कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 26 सितंबर को राज्य के पांच जनपदों में रेड अलर्ट, पांच जनपदों में ऑरेंज अलर्ट तथा तीन जनपदों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसी तरह 27 सितम्बर को चार जनपदों में रेड अलर्ट, चार जनपदों में ऑरेंज अलर्ट तथा 05 जनपदों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग की चेतावनी के मद्देनजर सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने सभी 13 जनपदों के साथ बैठक कर अलर्ट मोड पर रहने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विशेष रूप से रेड एवं ऑरेंज अलर्ट वाले जनपदों में संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने, जिला आपातकालीन संचालन केंद्रों को सक्रिय रखने तथा मौसम संबंधी प्रत्येक चेतावनी को तत्काल निचले स्तर तक पहुंचाने के निर्देश दिए। सचिव आपदा प्रबंधन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नदी-नालों, गाड़-गदेरों एवं जलस्रोतों के जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जाए और जलस्तर बढ़ने की स्थिति में आसपास के लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

आज इन जिलों में है रेड अलर्ट

मौसम विभाग द्वारा अलर्ट के अनुसार 26 सितंबर को बागेश्वर, पिथौरागढ़, चंपावत, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर में रेड अलर्ट, जबकि देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, चमोली, अल्मोड़ा में ऑरेंज अलर्ट तथा हरिद्वार, उत्तरकाशी और टिहरी गढ़वाल में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

देहरादून पुलिस में बड़ा फेरबदल, 21 उप निरीक्षकों के तबादले

देहरादून, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा पुलिस विभाग में स्थानांतरण किए गए हैं। आदेश के अनुसार उप निरीक्षक/अपर उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस को तत्काल प्रभाव से उनके नाम के सम्मुख अंकित स्थानों पर स्थानांतरित/पुनर्युक्त किया गया है।

आदेश के मुताबिक उप निरीक्षक दुर्गेश कोठियाल को बसंत विहार से कैंट, जबकि उप निरीक्षक ओमप्रकाश को कैंट से बसंत विहार भेजा गया है। मनोज सिंह रावत को डोईवाला से थाना नेहरू कॉलोनी, राजीव धारीवाल को सहसपुर से बसंत विहार तथा मुकेश थलेड़ी को चौकी आईएसबीटी ऋषिकेश से पटेलनगर भेजा गया है। इसी क्रम में प्रवीण पुंडीर को थाना सहसपुर से पटेलनगर, प्रमोद शाह को पटेलनगर से कोतवाली नगर और दिनेश चमोली को पुलिस लाइन से चौकी आईएसबीटी ऋषिकेश स्थानांतरित किया गया है। वहीं रवि प्रसाद कवी और अमन चड्ढा को एसओआईएस शाखा में भेजा गया है। सोमवीर को एसओआईएस शाखा से थाना रायपुर तथा जसपाल गुसाईं को एसओआईएस शाखा से थाना सहसपुर भेजा गया है। मुकेश नेगी को बसंत विहार से थाना ऋषिकेश, विनेश कुमार को चौकी त्रिवेणीघाट से चौकी एम्स ऋषिकेश तथा देवेन्द्र पंवार को चौकी एम्स ऋषिकेश से चौकी त्रिवेणीघाट भेजा गया है। इसके अलावा सचिन पुंडीर को पुलिस लाइन से थाना डोईवाला, मुकेश कुमार को थाना प्रेमनगर से थाना रायवाला, जगदम्बा प्रसाद को थाना रायवाला से थाना प्रेमनगर और चन्द्रशेखर नौटियाल को थाना विकासनगर से थाना प्रेमनगर स्थानांतरित किया गया है। आदेश में अपर उप निरीक्षक देवेन्द्र नेगी को पुलिस लाइन से थाना पटेलनगर तथा अपर उप निरीक्षक मनमोहन को पुलिस लाइन से थाना क्लेमेंटाउन भेजे जाने का भी उल्लेख है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने किया देहरादून में स्थलीय निरीक्षण

देहरादून। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम ने शुक्रवार को देहरादून के रायपुर विधानसभा क्षेत्र स्थित सारथी विहार में सुपर चैकिंग के अंतर्गत स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदाता सूची से संबंधित दस्तावेजों की जांच की और मौके पर मौजूद मतदाताओं से बातचीत कर अभियान को लेकर फीडबैक लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने पाया कि बीएलओ और ईआरओ स्तर पर फॉर्म–7 का विधिवत निस्तारण किया गया है। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में जुटे फील्ड स्टाफ के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि बूथ स्तर पर सभी बीएलओ पूरी मेहनत और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में 3 अक्टूबर को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील की कि अंतिम प्रकाशन के बाद सभी मतदाता अपनी जानकारी और नाम मतदाता सूची में अवश्य जांच लें, ताकि किसी प्रकार की त्रुटि होने पर आवश्यक प्रक्रिया के तहत सुधार कराया जा सके।

हिमनी स्कूल में स्थायी शिक्षक की मांग

देवाल। ग्राम प्रधान नीता देवी ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय हिमनी में स्थायी शिक्षक की तैनाती की मांग की है। उन्होंने उप शिक्षाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में बताया कि 22 छात्रों वाले इस विद्यालय में केवल एक ही स्थायी शिक्षक है। विभाग ने प्राथमिक विद्यालय बलाण से एक शिक्षक की अस्थायी व्यवस्था की है। ग्राम प्रधान ने इस अस्थायी शिक्षक को स्थायी रूप से तैनात करने की मांग की। इस संबंध में प्रभारी खंड शिक्षाधिकारी योगेंद्र सेमवाल ने बताया कि हिमनी विद्यालय में एक स्थायी शिक्षक है। प्राथमिक विद्यालय बलाण से एक शिक्षक को अगले आदेश तक के लिए भेजा गया है। सेमवाल ने आश्वासन दिया कि शीघ्र स्थायी शिक्षक की तैनाती की जाएगी।

विधायक ने किया स्थलीय निरीक्षण

विकासनगर। विकासनगर विधानसभा क्षेत्र में निर्माणाधीन यूयूएलआईपी प्रोजेक्ट के कार्यों का शुक्रवार को विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने विकासनगर के पहाड़ी गली क्षेत्र में पहुंचकर परियोजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं इंजीनियरों से परियोजना से जुड़ी विभिन्न जानकारियां प्राप्त कीं।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने यूयूएलआईपी प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट मैनेजर, डिप्टी प्रोजेक्ट मैनेजर, सहायक प्रोजेक्ट मैनेजर तथा वेंडर्स के इंजीनियरों के साथ परियोजना की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने निर्माण कार्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं, प्रगति तथा क्षेत्र से संबंधित विषयों की जानकारी लेते हुए आवश्यक संवाद किया।

इस अवसर पर नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन नीरज अग्रवाल, पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष सरदार अमरजीत सिंह राजू, व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय गुप्ता, व्यापार मंडल उपाध्यक्ष नीरज ठाकुर, व्यापार मंडल महामंत्री हरीश अरोड़ा, नगर पालिका सभासद सबल सेरावत, संदीप मोगा, धीरज पाटिल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने कहा कि विकासनगर का सर्वांगीण विकास, व्यापारियों के हितों का संरक्षण और क्षेत्र की जनसुविधाओं को बेहतर बनाना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की निरंतर निगरानी के साथ जनहित से जुड़े विषयों पर सभी संबंधित पक्षों से संवाद स्थापित कर कार्यों को गति देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

अनंत नंदा फाउंडेशन ने वांक में प्रतिभा खोज कार्यक्रम शुरू किया

कर्णप्रयाग। अनंत नन्दा फाउण्डेशन ने देवाल विकासखंड के ग्राम वांक में प्रतिभा खोज कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। ग्रामीण बच्चों की प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से संचालित इस कार्यक्रम में पचास से अधिक बच्चे विभिन्न खेलों और शैक्षणिक गतिविधियों में निशुल्क प्रशिक्षण ले रहे हैं। ग्राम प्रधान राधा देवी और मान सिंह ने इस पहल में सहयोग किया है। फाउंडेशन के संस्थापक कलम सिंह बिष्ट स्वयं बच्चों को प्रशिक्षित कर रहे हैं।

बिष्ट एक पूर्व सैनिक, अंतरराष्ट्रीय अल्ट्रा ट्रेल धावक और पुरस्कार विजेता हैं। प्रशिक्षण में एथलेटिक्स, आत्मरक्षा, योग और कंप्यूटर शिक्षा शामिल है। यह प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे एनडीए, सीडीएस, यूपीएससी और अग्निवीर की तैयारी भी कराता है। बिष्ट अपनी पेंशन और जीती हुई पुरस्कार राशि से फाउंडेशन का संचालन करते हैं। फाउंडेशन का लक्ष्य भविष्य के अंतरराष्ट्रीय एथलीट, सेना और प्रशासनिक अधिकारी तैयार करना है।

स्वस्थ समाज के निर्माण में फार्मासिस्टों की अहम भूमिका: टम्टा

कर्णप्रयाग। महिला बेस अस्पताल सिमली में शुक्रवार को विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया गया। इस अवसर पर थराली विधायक भूपाल राम टम्टा ने फार्मासिस्टों को स्वस्थ समाज के निर्माण में अहम बताया। विधायक टम्टा ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों के उपचार के लिए दवाएं और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिला फार्मेसी अधिकारी एनडी देवराड़ी ने स्वास्थ्य केंद्रों में फार्मासिस्टों के योगदान की जानकारी दी। स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य फार्मेसी अधिकारी अमर लाल नथवाल ने स्वास्थ्य केंद्र की प्रगति आख्या भी प्रस्तुत की। इस मौके पर कपीरी संघर्ष समिति के अध्यक्ष खिलदेव सिंह रावत, ग्राम प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष उमेश खंडूड़ी और फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रांतीय कोषाध्यक्ष प्रदीप रावत आदि मौजूद रहे।

यात्रा मार्ग के होटल और प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा का निरीक्षण किया

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा के मद्देनजर पुलिस और फायर सर्विस की ओर से यात्रा मार्ग के होटल और प्रतिष्ठानों का अग्नि सुरक्षा निरीक्षण किया गया। फायर सर्विस टीम ने सोनप्रयाग, सीतापुर और रामपुर में पार्किंग, होटल और अन्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। अग्निशमन अधिकारी शंकर चंद रमोला के नेतृत्व में टीम ने प्रतिष्ठानों में उपलब्ध अग्निशमन उपकरणों, आपातकालीन सुरक्षा व्यवस्था और अन्य अग्नि सुरक्षा मानकों की जांच की। संचालकों और कर्मचारियों को अग्नि दुर्घटना की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों और अग्निशमन उपकरणों के उपयोग की जानकारी दी गई। निरीक्षण के दौरान अग्नि सुरक्षा में कमियां मिलने पर संबंधित प्रतिष्ठान संचालकों को नोटिस जारी किए गए। निर्धारित समय में कमियां दूर कर सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

तबीयत बिगड़ने पर दो यात्रियों को हेली एंबुलेंस से एम्स भेजा

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम स्थित स्वामी विवेकानंद धर्मार्थ चिकित्सालय में भर्ती दो यात्रियों की तबीयत बिगड़ने पर शुक्रवार को उन्हें हेली एंबुलेंस से एम्स ऋषिकेश भेजा गया। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देश पर जिला आपदा प्रबंधन विभाग ने संबंधित अधिकारियों और चिकित्सा दल के साथ समन्वय कर दोनों यात्रियों को उच्च स्तरीय उपचार उपलब्ध कराने की व्यवस्था की। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि रेफर किए गए यात्रियों में कर्नाटक निवासी मोहन भंडारी (65) और हिमाचल प्रदेश के कुल्लू निवासी चेतराम शामिल हैं। चिकित्सकीय परामर्श के बाद दोनों यात्रियों को बेहतर उपचार के लिए हेली एंबुलेंस से एम्स ऋषिकेश भेजा गया है।

पीएमजीएसवाई ने पहाड़ जैसी जिंदगी को दी नई रफ्तार

उत्तराखण्ड में 21915 किमी. की 2826 सड़कों का बिछा जाल

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) ने उत्तराखण्ड के दूरस्थ और दुर्गम पहाड़ी इलाकों की जिंदगी को नई रफ्तार दी है। बेहद कठिन भौगोलिक परिस्थितियों से घिरे गांवों में सड़क पहुंचने से स्थानीय लोगों की राह आसान हुई है। योजना अपने चौथे चरण में प्रवेश कर चुकी है। तीन चरणों में 11595 करोड़ की लागत से 21915 किमी. लंबाई की 2826 सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है। इन सड़कों के बनने से 1860 गांव लाभान्वित हुए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का प्रदेश के दूरस्थ और दुर्गम गांवों को मुख्य धारा से जोड़ने पर खास फोकस है। सड़क के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से अधिक से अधिक गांवों को लाभान्वित करने पर जोर दिया गया है। इसके लिए सीएम धामी लगातार केंद्र सरकार के समक्ष पैरवी करते रहे हैं। उनकी मजबूत पैरवी का ही नतीजा है कि प्रदेश में पीएमजीएसवाई सड़कों का लगातार विस्तार हो रहा है। पीएमजीएसवाई-चार के प्रथम चरण में प्रदेश के 309 गांव जल्द ही सड़क से जुड़ेंगे। इसकी कवायद तेज कर दी गई है। 1707 करोड़ की लागत से कुल 1228.20 किमी. लंबाई की 184 सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। पीएमजीएसवाई-4 में

उत्तराखण्ड के सभी 13 जिलों में कुल 1479 सड़कों का निर्माण किया जाएगा, जिनकी कुल लंबाई 9344 किमी. होगी। योजना के चौथे चरण के प्रथम चक्र में पौड़ी गढ़वाल के सर्वाधिक 68 गांवों को सड़क सुविधा से जोड़ा जा रहा है। इसी प्रकार अल्मोड़ा और टिहरी में 47-47, बागेश्वर में 35, पिथौरागढ़ में 25, नैनीताल और उत्तरकाशी में 24-24, चमोली में 17, देहरादून और रुद्रप्रयाग में 10-10 और हरिद्वार में 02 गांव सड़क बनने से लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार दूरदराज के सभी गांवों को सड़क नेटवर्क से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएमजीएसवाई सड़कों के निर्माण से दूरस्थ क्षेत्रों की राह आसान होने के साथ ही पर्यटन, कृषि और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिली है। विद्यार्थियों को कठिन रास्ता तय नहीं करना पड़ता। बीमारों को समय से अस्पताल पहुंचाया जा रहा है, किसान अपनी फसल को मंडियों तक पहुंचा पा रहे हैं।

पीएमजीएसवाई-चतुर्थ चरण

जनपद	गांवों की संख्या	सड़कों की लंबाई (किमी. में)
पिथौरागढ़	249	1819.6
अल्मोड़ा	221	1395.5
पौड़ी	185	1227.8
चमोली	175	996.15
टिहरी	168	941.5
उत्तरकाशी	112	721.99
रुद्रप्रयाग	111	469.2
बागेश्वर	101	569.82
नैनीताल	67	399.55
देहरादून	52	390
चंपावत	39	387.3
ऊधमसिंह नगर	09	22.3
हरिद्वार	01	03.1
कुल गांव	1490,	कुल किमी. 9344

माणा पास एमटीबी चैलेंज शुरू, परिक्रमा दौड़ में दीया प्रथम

बदरीनाथ। माणा पास एमटीबी चैलेंज प्रतियोगिता शुक्रवार से शुरू हो गई। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में सेना सहित देश के विभिन्न राज्यों के 178 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। पहले दिन महिला वर्ग की बदरीनाथ परिक्रमा दौड़ आयोजित की गई जिसमें 25 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। दौड़ अरावल प्लाजा से शुरू होकर बामणी गांव, बदरीनाथ मंदिर, इंद्रधारा और माणा गांव होते हुए वापस अरावल प्लाजा पहुंचकर संपन्न हुई। प्रतियोगिता में दीया रावत ने प्रथम, दीपशिखा रावत ने द्वितीय और रोशनी नेगी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयोजक अजय भट्ट ने बताया कि बदरीनाथ धाम में पहली बार परिक्रमा दौड़ का आयोजन किया गया है। शनिवार को पुरुष वर्ग की प्रतियोगिता होगी जबकि तीसरे दिन बदरीनाथ से माणा पास तक एमटीबी चैलेंज आयोजित किया जाएगा।

विधानसभा सामान्य निर्वाचन—2027 की तैयारियां शुरू

देहरादून, विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2027 को लेकर देहरादून जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने ऋषिपर्णा सभागार, कलेक्ट्रेट में निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा बैठक लेते हुए संबंधित अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से पूरी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन सम्पन्न कराना जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने नोडल अधिकारियों, सेक्टर अधिकारियों एवं जोनल अधिकारियों की तैनाती की प्रक्रिया समय से पूरी करने तथा निर्वाचन ड्यूटी के लिए विभिन्न विभागों से आवश्यक कार्मिकों का विवरण निर्धारित समय में प्राप्त करने को कहा। डीएम ने सभी उप जिलाधिकारियों को अपने–अपने क्षेत्रों के मतदान केंद्रों एवं बूथों का स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के मानकों के अनुसार मतदान केंद्रों पर एएमएफ की उपलब्धता का परीक्षण करने को कहा। मतदाताओं की सुविधा के लिए आवश्यक मूलभूत व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। इसके साथ ही कलेक्शन सेंटर, डिस्पैच सेंटर और मतगणना स्थलों के लिए उपयुक्त स्थानों एवं आवश्यक व्यवस्थाओं का परीक्षण करने को कहा गया।

रूट प्लान, वाहन और सुरक्षा व्यवस्था की बनेगी कार्ययोजना

जिलाधिकारी ने बूथ लेवल मैनेजमेंट प्लान, रूट प्लान, कार्मिक प्रशिक्षण, वाहन व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था की कार्ययोजना समय से तैयार करने के निर्देश दिए।

विकासनगर तहसील में धरने को लेकर हंगामा

विकासनगर। विकासनगर तहसील परिसर में शुक्रवार को जमीन संबंधी मामले को लेकर चल रहे धरने के दौरान उस समय हंगामा हो गया, जब धरने पर बैठी महिला और उनके समर्थकों के बीच बार एसोसिएशन से जुड़े कुछ अधिवक्ताओं के पहुंचने के बाद विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। महिला पक्ष की ओर से धरने का बैनर फाड़ने और अभद्र व्यवहार किए जाने के आरोप लगाए गए हैं।

जानकारी के अनुसार राज्य आंदोलनकारी शहीद सत्येंद्र सिंह चौहान की बहन अरुणा रानी चौहान अपनी मांगों को लेकर पिछले 14 दिनों से विकासनगर तहसील परिसर में धरने पर बैठी हैं। शुक्रवार को भी वह अपने समर्थकों के साथ तहसील परिसर में धरने पर थीं।

इसी दौरान कुछ अधिवक्ताओं के मौके पर पहुंचने के बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते मामला विवाद और हंगामे में बदल गया। महिला पक्ष का आरोप है कि धरने के दौरान लगाए गए बैनर को फाड़ा गया और उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। घटना के बाद तहसील परिसर में कुछ समय तक गहमागहमी का माहौल बना रहा। महिला पक्ष ने पूरे मामले की जानकारी प्रशासन को देते हुए संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

10 लाख की ज्वैलरी के साथ आरोपी गिरफ्तार

देहरादून, कोतवाली नगर क्षेत्र में हुई लाखों रुपये की ज्वैलरी चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी पुताई का काम करता है और कुछ दिन पहले पीड़ित के मकान मालिक के घर पुताई करने के दौरान उसे घर में कीमती आभूषण रखे होने की जानकारी हुई थी। इसके बाद उसने चोरी की योजना बनाई और मौका देखकर वारदात को अंजाम दिया। कोतवाली नगर क्षेत्र में हुई लाखों रुपये की ज्वैलरी चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी पुताई का काम करता है और कुछ दिन पहले पीड़ित के मकान मालिक के घर पुताई करने के दौरान उसे घर में कीमती आभूषण रखे होने की जानकारी हुई थी। इसके बाद उसने चोरी की

योजना बनाई और मौका देखकर वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस के अनुसार, 18 सितंबर 2026 को नरेंद्र पी. गुप्ता निवासी 26 नेशविला रोड, देहरादून ने कोतवाली नगर में तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात चोर उनके घर से लाखों रुपये कीमत की ज्वैलरी चोरी कर ले गए हैं। तहरीर के आधार पर कोतवाली नगर में मु0अ0सं0 347/2026, धारा 305(ए) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

सीसीटीवी और मुखबिर तंत्र से आरोपी तक पहुंची पुलिस

घटना के खुलासे और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके साथ ही संदिग्धों की जानकारी जुटाने के लिए स्थानीय मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया और पूर्व में इस तरह की घटनाओं में सामने आए आरोपियों का भी सत्यापन किया गया।लगातार की गई कार्रवाई के दौरान 24 सितंबर 2026 को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कृष्णा लॉज के पास से आरोपी विजय को गिरफ्तार कर लिया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

कमलजीत-सुरुचि की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में जीता गोल्ड

नागोया, एजेंसी। भारतीय निशानेबाज कमलजीत और सुरुचि सिंह ने व्यक्तिगत स्पर्धाओं में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद जोरदार वापसी करते हुए एशियाई खेलों की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में हुए स्वर्ण पदक जीता।

कमलजीत और सुरुचि ने फाइनल में कुल 484.6 अंक हासिल किए। दक्षिण कोरिया की सुह्योन होंग और गाउन चू की जोड़ी 478.0 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि ईरान ने 415.8 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने रजत पदक विजेता जोड़ी से 6.6 अंक की बढ़त बनाई। इससे पहले कमलजीत और सुरुचि ने क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया था।

उन्होंने पहली सीरीज में 196 अंक, दूसरी में 195 और तीसरी में 196 अंक जुटाकर कुल 587 अंक हासिल किए, जिसमें 29 इनर-10 शामिल थे। यह 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में भारत का पदक जीतने का आखिरी मौका था। कमलजीत व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में नौवें और सुरुचि 26वें स्थान पर रही थीं और दोनों व्यक्तिगत फाइनल में जगह नहीं बना सकी थीं।

भारत पुरुष और महिला टीम स्पर्धाओं में भी पदक से चूक गया था। फाइनल में भारतीय जोड़ी ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। पहले 10 शॉट के बाद वे 202.4 अंक के साथ शीर्ष पर थीं। सुरुचि ने पहली कोशिश में 10.4 और कमलजीत ने 9.7 अंक हासिल किए, जबकि दूसरी कोशिश में सुरुचि ने 10.2 और कमलजीत ने 9.8 अंक जुटाए। इसके बाद 101.3 अंक की अगली सीरीज के साथ भी भारतीय जोड़ी ने अपनी बढ़त बरकरार रखी।

कमलजीत : इंजरी के बाद एथलेटिक्स छोड़ना पड़ा, शूटिंग में करियर बनाया

कमलजीत हरियाणा के रेवाड़ी के सुलखा गांव के हैं। कमलजीत एथलेटिक्स में हिस्सा लेते थे। लेकिन, वे 2019 में चोट के कारण उन्हें एथलेटिक्स छोड़ना पड़ा। ऐसे में उन्होंने शूटिंग में करियर बनाया। स्ट्रगल के दौरान कमलजीत के मन में कई बार शूटिंग छोड़ने का विचार आया, लेकिन माता-पिता ने लगातार उनका साथ दिया। 2-3 साल की मेहनत के बाद उन्होंने खुद को एक अच्छे शूटर के रूप में स्थापित किया।

सुरुचि : पहलवान की जगह शूटर बन गईं

सुरुचि इंदर सिंह हरियाणा के झज्जर की 20 साल की शूटर हैं। उन्होंने 13 साल की उम्र में शूटिंग की शुरुआत की। वे भिवानी की गुरु द्रोणाचार्य शूटिंग एकेडमी में कोच सुरेश सिंह से ट्रेनिंग लेती हैं। उन्हें परिवार पहलवान बनाना चाहता था।

50 मीटर राइफल 3पी टीम सिल्वर के बाद ऐश्वर्य, नीरज व्यक्तिगत मेडल से चूके

नागोया। भारतीय राइफल शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार शुक्रवार को यहां ऐची प्रीफ. जनरल शूटिंग गैलरी में पुरुषों के 50 मीटर 3-पोजीशन इवेंट के फाइनल में मेडल से चूक गए। वे क्रमशः पांचवें और आठवें स्थान पर रहे। ऐश्वर्य 327.6 के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि नीरज 299.0 के साथ आठवें स्थान पर रहे। चीन के युकुन लियू ने 360.5 के गेम्स-रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड जीता, जबकि झांग चांगहोंग ने 360.2 के साथ सिल्वर जीता। इस्लाम सतपायेव ने 348.3 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। ऐश्वर्य शुरुआती स्टेज में रेस में बने रहे, प्रोन सीरीज के बाद छठे स्थान पर रहे, फिर दूसरी नीलिंग सीरीज के बाद 205.3 के साथ पांचवें स्थान पर पहुंचे और आखिर में ओवरऑल पांचवें स्थान पर रहे। नीरज का फाइनल ज्यादा मुश्किल साबित हुआ और वह 299 के स्कोर के साथ आठ फाइनलिस्ट में सबसे आखिर में रहे। ऐश्वर्य हांगझोऊ में हुए पिछले एशियन गेम्स में भारत के सबसे सफल शूटर्स में से एक थे। उन्होंने चार पदक जीते थे। उन्होंने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन टीम इवेंट्स में गोल्ड और 10 मीटर एयर राइफल में व्यक्तिगत ब्रॉन्ज और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन में सिल्वर मेडल जीता था। इससे पहले, ऐश्वर्य, नीरज और रुद्राक्ष की तिकड़ी ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन टीम फाइनल में सिल्वर मेडल जीता, जिसमें उन्होंने कुल 1762-94× का स्कोर करके दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि चीन (1766-95×) ने गोल्ड और साउथ कोरिया (1751-87×) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

सात्विक-चिराग उलटफेर का हुए शिकार एशियाड में नहीं कर सके स्वर्ण का बचाव

नागोया, एजेंसी। गत चैंपियन सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शुक्रवार को एशियन गेम्स 2026 में पुरुष डबल्स बैडमिंटन इवेंट के पहले ही राउंड में थाईलैंड के पीराचाई सुखफुन और पक्कापोन तीरात्सकुल से हारकर बाहर हो गए। दुनिया की नंबर 5 भारतीय जोड़ी इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में दुनिया की नंबर 36 थाई जोड़ी से 21-12, 19-21 और 14-21 से हार गई, जिससे उनका स्वर्ण बचाने का अभियान निराशाजनक तरीके से खत्म हो गया।

पिछड़ते चले गए सात्विक-चिराग

पिछले महीने चाइना मास्टर्स का खिताब जीतने के बाद सात्विक और चिराग सकारात्मक लय के साथ एशियन गेम्स में उतरे थे। उन्होंने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चीन के ही जिटिंग और रेन शियांग्यू को 70 मिनट के फाइनल में 11-21, 21-13 और 21-17 से हराया। सात्विक और चिराग थाई जोड़ी के खिलाफ शुरुआत में पूरे नियंत्रण में दिखे और पहला गेम 21-12 से जीत लिया। लेकिन सुखफुन और तीरात्साकुल ने धीरे-धीरे अपनी लय पकड़ ली और दूसरे गेम में भारतीयों को और मेहनत करने पर मजबूर कर दिया।

थाई जोड़ी ने 17-13 से चार प्वाइंट की बढ़त बना ली थी, जिसके बाद सात्विक और चिराग ने वापसी करते हुए अंतर को 18-19 कर दिया। हालांकि, यह वापसी कमजोर रही

क्योंकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम के लिए मजबूर कर दिया। सुखफुन और तीरात्साकुल ने तीसरे गेम में भी अपना मोमेंटम बनाए रखा और जल्दी ही नियंत्रण बना लिया। सात्विक और चिराग को जवाब देने में मुश्किल हुई, जबकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम में 21-14 से यादगार जीत हासिल की। यह हार सात्विक और चिराग के पुरुष टीम इवेंट में भारत के कांस्य पदक जीतने में अहम भूमिका निभाने के कुछ ही दिनों बाद हुई है।

तनिशा-ध्रुव क्वार्टर फाइनल में

मिश्रित युगल में तनिशा क्रास्टो और ध्रुव कपिला ने लगातार दो जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। तनिशा और ध्रुव ने पहले दौर में मालदीव की निबाल अहमद और अमिनाथ नबीहा अब्दुल रज्जाक को 21-8, 21-7 से हराया। इसके बाद उन्होंने मलयेशिया की शेवन जेनी लाई और सून हुआट गोह की जोड़ी को एक घंटे चले कड़े मुकाबले में 22-20, 24-22 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में उनका सामना चीन की यान झे फेंग और डोंगपिंग हुआंग की जोड़ी से होगा। इससे पहले महिला एकल में उन्नति हुड्डा ने भी दूसरे दौर में प्रवेश किया। उन्होंने उत्तर कोरिया की मी सोंग यू को 30 मिनट में 21-9, 21-10 से हराया।

2 एथलीट्स पर पैसों की बारिश; सीएम ने किया 50 लाख देने का एलान

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने एशियन गेम्स 2026 में मिक्स्ड 4 गुणा 400 मीटर रील में रजत पदक जीतने वाली टीम के दो एथलीट्स के लिए इनाम की घोषणा की है। गुरुवार को भारतीय टीम ने ऐतिहासिक रजत था। इस टीम में तमिलनाडु के थो एथलीट्स विथ्या रामराज और विशाल टी के के अलावा टीएस मनु और एमआर पोवम्मा शामिल थे। सीएम विजय ने विथ्या और विशाल को 50-50 लाख रुपये इनाम के तौर पर देने की घोषणा की है। इससे पहले सीएम विजय ने एशियन गेम्स में स्वर्ण जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी जी कमालिनी को 75 लाख रुपये देने की घोषणा की थी। विजय ने फाइनल में श्रीलंका पर भारत की 147 रन की जीत के बाद तमिलनाडु की रहने वाली कमालिनी को बधाई दी थी। ताजा घोषणा के साथ, एशियन गेम्स में पदक जीतने वाली भारतीय टीमों का हिस्सा रहे तमिलनाडु के दो अलग-अलग एथलीट समूहों को अब राज्य सरकार की ओर से नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

पहला वनडे...

अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को दी करारी शिकस्त, 67 रन से हराया

डरबन। साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किंग्समीड में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच को 67 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। गुरुवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने 50 ओवरों के खेल में 8 विकेट खोकर 297 रन बनाए। इस टीम ने 29 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद मैथ्यू ब्रीत्जके ने कप्तान टेंबा बावुमा के साथ तीसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। बावुमा 48 गेंदों में 4 चौकों के साथ 30 रन बनाकर

आउट हुए, जिसके बाद ब्रीत्जके ने रयान रिकेल्टन के साथ चौथ विकेट के लिए 42 रन और डेविड मिलर के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 रन जोड़कर टीम को 168 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

रिकेल्टन 27 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि मिलर ने टीम के खाते में सिर्फ 9 रन जुटाए। इसके बाद ब्रीत्जके ने मार्को जानसेन के साथ छठे विकेट के लिए 81 गेंदों में 107 रन की साझेदारी की। ब्रीत्जके 14 चौकों और 2 छक्कों के साथ 112 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जानसेन ने 59 गेंदों में 75 रन कूटे। उनकी इस पारी में 4 छक्के और 7 चौके शामिल रहे। विपक्षी खेमे से नाथन एलिस ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि एडम जांपा को 2 विकेट हाथ लगे। इनके अलावा, जोश हेजलवुड ने 1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 41.2 ओवरों में 230 के स्कोर पर सिमट गई। कप्तान मिचेल मार्श ने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर मेबमानों को मजबूत शुरुआत दिलाई। इस सलामी जोड़ी ने 9.2 ओवरों में 90 रन की साझेदारी की। मार्श 36 गेंदों में 6 छक्कों और 5 चौकों के साथ 60 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद ट्रेविस हेड ने कूपर कोनोली के साथ दूसरे विकेट के लिए 39 रन जोड़े। हेड 36 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि कोनोली ने 38 रन का योगदान टीम का खाते में दिया।टीम को 134 के स्कोर पर तीसरा झटका भी लग गया था, जिसके बाद मैट रेनशॉ ने छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए ऑस्ट्रेलिया को किसी तरह 200 के पार पहुंचाया। रेनशॉ 49 गेंदों में 6 चौकों के साथ 44 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विपक्षी खेमे से केशव महाराज ने 20 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि कार्बिन बॉश और ब्योर्न फोर्टुइन को 2-2 विकेट हाथ लगे।दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज के शेष मुकाबले 27 और 30 सितंबर को खेले जाने हैं।

बड़ा उलटफेरः अफगानिस्तान को नेपाल ने 5 विकेट से हराया

द्वनिशिन। एशियन गेम्स 2026 में शुक्रवार को कोरोगी स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम की शुरुआत खराब रही और टॉप-3 बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। पारी की शुरुआत करने आए मोहम्मद अकरम 2 रन और हसन ईसाखिल बिना खाता खोले आउट हो गए। करीम जन्नत 9 रन बनाकर आउट हो गए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए फैसल शिलोजादा और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए नजबुल्ला जादरान ने टीम को संभाला। दोनों ने 30-30 रन की पारी खेली और टीम को 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 102 रन तक पहुंचाने में अहम

भूमिका निभाई। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए नांगेयालिया खरोटी ने भी नाबाद 17 रन बनाए। नेपाल की तरफ से ललित राजवंशी ने 3 और कुशाल भुर्टेल ने 4 विकेट लिए। 103 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी नेपाल की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 12 के स्कोर पर 2 और 31 के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए थे।

सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय महिला हॉकी टीम

एशियन गेम्सः मेजबान जापान को 3-1 से हराया

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। पूल बी के मैच में मेजबान जापान को 3-1 से हराकर भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने हाफ टाइम तक 2-0 की बढ़त बना ली थी। पहले क्वार्टर में लालरेम्सियामी ने ओपन प्ले से गोल करके स्कोरिंग की शुरुआत की, जिसके बाद दूसरे क्वार्टर के आखिर में इशिका ने गोल किया। पहले हाफ में जापान भारत के ज्यादातर अटैक को रोकने में कामयाब रहा, लेकिन भारत ने स्ट्राइकिंग सर्कल के अंदर मिले मौकों का फायदा उठाकर नियंत्रण बनाए रखा। तीसरे क्वार्टर में, भारत ने अपनी बढ़त 3-0 कर ली, जब नवनीत कौर ने सर्कल के अंदर बॉल ली,

दाईं ओर मुड़ीं और जापानी गोलकीपर के ऊपर से उसे दूर कोने में डाल दिया। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में जापान की कोबायाकावा शिहो ने टीम के लिए एकमात्र गोल किया। भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखते हुए 3-1 से जीत हासिल की। भारतीय टीम की यह लगातार चौथी जीत थी। हॉकी के अलावा शुक्रवार का दिन भारत के लिए शूटिंग की वजह से भी अच्छा रहा। भारत को शूटिंग में एक गोल्ड और एक रजत पदक मिले हैं। भारत के लिए सुरुचि इंदर सिंह और कमलजीत ने एशियन गेम्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता। दोनों ने मिलकर फाइनल में 484.6 का एशियाई रिकॉर्ड स्कोर बनाया। भारतीय जोड़ी ने दबाव वाले फाइनल में हिम्मत नहीं हारी और सटीकता के साथ लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्टैंडिंग में टॉप पर रही। दक्षिण कोरिया के सुहयोन होंग और गेउन चू ने 478.0 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि ईरान के वाहिद गोलखंडन और हानियेह रोस्तमियान ने 415.8 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

थाईलैंड पर भारत की शानदार जीत, फाइनल में जगह बनाई

तोकाई। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने शुक्रवार को तोकाई सिटीजन जिमनैजियम में सेमीफाइनल में थाईलैंड को 66-28 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। आठ बार की विजेता और डिफेंडिंग चैंपियन भारतीय टीम पुरुषों की स्पर्धा के नौवें फाइनल में पहुंच गई है और अपने 2023 के टाइटल को बचाने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में दोनों हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड को 66-28 से हरा दिया। भारत ने पहले हाफ में 37 पॉइंट्स लिए, जबकि थाईलैंड सिर्फ 18 पॉइंट्स ही बना पाया। दूसरा हाफ भी भारतीय टीम के लिए अच्छा रहा, क्योंकि उसने 29 पॉइंट्स लिए, जबकि थाईलैंड ने 10 पॉइंट्स लिए।

भारतीय टीम ने पहले हाफ में 21 आउट लिए, जबकि उसने थाईलैंड के डिफेंस में भी गहरी पैठ बनाकर 12 बोनस पॉइंट्स लिए और दो ऑल आउट किए। उसके अपोनेंट्स ने पहले हाफ के शुरुआती हिस्से में उसे कड़ी टक्कर दी और 13 आउट, तीन बोनस पॉइंट्स हासिल करने में कामयाब रहे तथा एक ऑल आउट भी किया। वहीं, दूसरे हाफ में भारत ने 22 और आउट

लिए और तीन बोनस पॉइंट्स हासिल किए, साथ ही दो ऑल आउट भी किए, जबकि थाईलैंड ने सात आउट पॉइंट्स, दो बोनस पॉइंट्स हासिल किए और एक टेक्निकल पॉइंट भी लिया।

भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय रही है। फाइनल में टीम इंडिया का सामना ईरान या चीनी ताइपे से होगा। इससे पहले, भारतीय महिला कबड्डी टीम ने भी नेपाल पर 48-24 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाया था। टीम ने पहले हाफ में 31 पॉइंट्स हासिल किए और ब्रेक तक 31-17 की मजबूत लीड ले ली। फिर भारत ने दूसरे हाफ में 17 पॉइंट्स हासिल किए, जबकि नेपाल को सिर्फ सात पॉइंट्स मिले। भारतीय टीम रेडिंग और डिफेंस दोनों में बेहतर थी। पहले हाफ में टीम इंडिया ने 23 आउट पॉइंट्स, चार बोनस पॉइंट्स लिए और दो ऑल आउट किए। दूसरी तरफ, नेपाल को 13 आउट पॉइंट्स और तीन बोनस पॉइंट्स मिले तथा उसने एक सुपर टैकल किया। दूसरे हाफ में भारत ने 12 आउट पॉइंट्स और तीन बोनस पॉइंट्स लिए तथा एक ऑल आउट किया, जबकि नेपाल आखिरी 15 मिनट में सिर्फ पांच आउट पॉइंट्स और दो बोनस पॉइंट्स ही कर पाया। महिला कबड्डी टीम का फाइनल मुकाबला भी शनिवार को चीनी ताइपे या फिर ईरान से होगा।